

कौशल प्रशिक्षण संस्थान आईआईटी और आईआईएम से कम नहीं: मोदी



नई दिल्ली, एप्रेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि कौशल प्रशिक्षण संस्थानों का महत्व किसी भी तरह से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) से कम नहीं है। उन्होंने युवाओं से बदलती तकनीक के अनुरूप लगातार नए कौशल सीखने और अपनी क्षमताओं को उन्नत करने का आह्वान किया मोदी ने यहां अपने आवास सात, लोक कल्याण मार्ग पर शंघाई में आयोजित 48वीं विश्व कौशल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय टीम के प्रतिनिधियों से बातचीत की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें देश में कौशल विकास का दृढ़ बनने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यावहारिक कौशल भी शैक्षणिक डिग्रियों जितने ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने युवाओं से अंतरराष्ट्रीय बाजार की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकसित करने और उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ तालमेल बिटाने को कहा। मोदी ने कहा कि भारत को कुशल मानव संसाधन का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए युवाओं, सरकार और प्रशिक्षण संस्थानों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रतियोगिता के दौरान प्राप्त अनुभव और सुझाव सरकार के साथ साझा करने का आग्रह किया, ताकि देश की कौशल प्रशिक्षण व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सके। प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता के दौरान नए उपकरणों, सॉफ्टवेयर, तकनीकी प्रणालियों और कार्य प्रक्रियाओं के अनुरूप खुद को ढालने के अनुभव साझा किए। उन्होंने कौशल विकास के लिए सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। शंघाई में 22 से 27 सितंबर तक आयोजित 48वीं विश्व कौशल प्रतियोगिता में भारत 10वें स्थान पर रहा। भारतीय दल ने छह रजत पदक और उत्कृष्टता के 20 पदक जीते। प्रतियोगिता में भारत की ओर से अब तक का सबसे बड़ा 70 सदस्यीय दल 63 कौशल श्रेणियों में शामिल हुआ था। इस बातचीत में कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति ने वोट चोरी से इनकार नहीं किया: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एप्रेंसी। इंडी ब्लॉक के 10 सांसदों का डेलीगेशन शुक्रवार रात राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिला। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। मीटिंग से बाहर आकर राहुल ने कहा कि पूरा देश जानता है कि देश में वोट चोरी हो रही है। राष्ट्रपति ने भी इससे इनकार नहीं किया। अब हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। वहीं खड़गो बोले- हमने वोट चोरी के बारे में राष्ट्रपति जी को बताया है। जहां जहां वोट चोरी हुई है, वो हम जुटा रहे हैं। विपक्षी सांसदों ने आज पार्लियामेंट के सेंट्रल हॉल में करीब 30 मिनट मीटिंग की। ममता बनर्जी पहली बार ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। विपक्षी सांसदों ने पिछले 4 दिनों में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ तीसरा



माचं निकाला है। इससे पहले 6 अक्टूबर को सेव डेमोक्रेसी माचं निकाला था। फिर 7 मार्च को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए गए थे। रास्ट्रपति ने हमसे सबूत मागे हैं, वो हम जुटा रहे हैं। ज्ञानेश कुमार ने भारत लोकतंत्र को कर्नाट प्लेस से राजघाट तक मार्च निकाला था।ममता ने कहा- हमें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा कि वह इसकी जांच करेंगी और पूरी जानकारी देखेंगी। उन्होंने सबूत मागे हैं, जिन्हें भेजने की बात हमने कही है। देश इस मुद्दे

को लेकर बहुत चिंतित है। आप संविधान की संरक्षक हैं, इसलिए लोकतंत्र की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कहा कि वह मामले की जांच करेंगी।राहुल ने कहा- राष्ट्रपति से मुलाकात अवैधनोय रही। हमने इलेक्शन चोरी-वोट चोरी के बारे में बताया तो राष्ट्रपति ने इससे खंडन नहीं किया। उन्होंने कहा कि वे इसके बारे में सोचेंगी और एक्शन लेंगी। ज्ञानेश कुमार ने भारत लोकतंत्र को तबाह किया है। ज्ञानेश कुमार वोट चोरी करा रहे हैं।कांग्रेस सांसद गौरव गोरोई ने कहा, हम यह हर व्यक्ति के वोट के अधिकार को बचाने के लिए कर रहे हैं, चाहे उनकी विचारधारा कुछ भी हो। चाहे वह हमारा समर्थक हो या आलोचक।

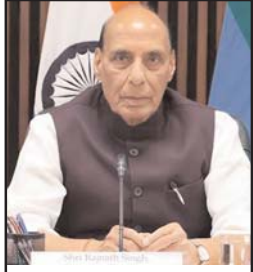
भारतवंशी नवनीतम पिंल्लै को शांति का नोबेल

नयी दिल्ली। नाँव की नोबेल समिति ने 2026 का शांति पुरस्कार भारतवंशी नवनीतम नवी पिंल्लै को देने का ऐलान किया है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मी पिंल्लै ने संघर्ष के खिलाफ लड़ने वाले नेल्सन मंडेला समेत कई लोगों की मदद की थी। पिंल्लै को युद्ध अपराध और नरसंहार के दोषियों को सजा दिलाने और अंतरराष्ट्रीय कानून को मजबूत करने के प्रयासों के लिए यह सम्मान दिया गया है। नोबेल समिति ने कहा कि दुनिया में युद्ध और संघर्ष बढ़ रहे हैं। ऐसे में शांति बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना और उसे मजबूत करना बेहद जरूरी है। पुरस्कार मिलने के बाद उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प पर मजाकिया अंदाज में तंज कसा। जब उनके साथियों ने पुरस्कार मिलने पर तालियां बजाईं, तो पिंल्लै ने मजाक में कहा, «अगर आप थोड़ी और तालियां बजाएंगे, तो शायद मैं यह पुरस्कार ट्रम्प के साथ बांट लूं»।आम तौर पर नोबेल पुरस्कार समिति घोषणा से पहले विजेता को फोन पर सूचना दे देती है।

मन में मर्यादा न हो, तो शक्ति अधूरी है : राजनाथ

जो राष्ट्र अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है, वह कभी नहीं गिरता

नई दिल्ली, (एप्रेंसी)। नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि जब हम पितृपुत्र में तर्पण करते हैं, तो हमें केवल अपने पूर्वजों का ही स्मरण नहीं करना चाहिए। हमें उन बलिदानियों का भी स्मरण करना चाहिए, जिन्होंने हमारी रक्षा के लिए अपने प्राण त्याग दिए। जो राष्ट्र अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है, वह कभी नहीं गिरता। जो राष्ट्र अपने बलिदानियों को स्मरण करता है, वह सदैव आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा, हमारे पास मिसाइल हों, लेकिन मन में मर्यादा न हो, तो शक्ति अधूरी है। हमारे पास एआई हो लेकिन राष्ट्रीय चेतना न हो, तो विकास अधूरा है। यही हमारी विशेषता है। यही भारत की शक्ति है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को दिल्ली में स्थित राष्ट्र मंदिर विश्व रामायण आश्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने लोगों संवाद करते हुए अध्यात्म पर अपने



विचार रखे। उन्होंने राष्ट्र मंदिर विश्व रामायण आश्रम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधन भी दिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि बड़ा मनुष्य कभी केवल अपने लिए नहीं जीता। वह अपने जीवन को समाज के लिए समर्पित करता है, दूसरों के सुख-दुख को अपना मानता है और सबके लिए जीता है। हमारे धर्मशास्त्रों, पुराणों से लेकर आज तक, हमारे संविधान, हमारी भारतीय न्याय संहिता, ये सब

हमारे समाज के मानस की शुद्धि का कार्य करते हैं। ये हमें बताते हैं कि क्या उचित है, क्या अनुचित है। ये हमें दिशा देते हैं। ये हमें संस्थ बनाए रखते हैं। रक्षा मंत्री का कहना था कि यह मन का कलुष ही होता है। जो आए दिन राष्ट्र-विरोधी नारे लगाता है, और यह मानस की शुद्धि ही होती है जो राष्ट्र को अपना सर्वस्व मान बैठता है। बड़पुनन केवल शक्ति और सामर्थ्य में नहीं, बल्कि सहनशीलता, उदारता और सबको साथ लेकर चलने की क्षमता में भी होता है।राजनाथ सिंह ने कहा कि महान व्यक्तिवों की विशेषता यही होती है, कि वे परिस्थितियों को समझते हुए भी अपने उदार भाव को नहीं छोड़ते। उन्हें यह भी ज्ञात होता है, कि कौन उनके स्नेह का लाभ उठा रहा है, कौन उनके धैर्य की परीक्षा ले रहा है। फिर भी वे अपने स्नेह का द्वार बंद नहीं करते।

जंतर-मंतर प्रदर्शन मामले में युवा कांग्रेस को राहत नहीं

नयी दिल्ली (एप्रेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) द्वारा दायर एक याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। याचिका में दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार करने को चुनौती दी गई थी। वरिष्ठ अधिवक्ता संजय घोष ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव साब्रे के समक्ष यह मामला उठाया और आईवाईसी अध्यक्ष उदय भानु चिव द्वारा दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा, इतनी जल्दी क्या है? हम सांभार को इस पर सुनवाई करेंगे। याचिका में दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर-मंतर पर सीईसी के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार करने के फैसले को चुनौती दी गई है। याचिका के अनुसार, भारतीय युवा कांग्रेस ने 25 सितंबर को दिल्ली पुलिस से लगभग 100-150 लोगों के साथ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की अनुमति मांगी थी।

यूपी में बनेगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन

100 एआई स्टार्टअप को बढ़ावा और पांच लाख युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने और शासन व नागरिक सेवाओं में एआई के सुरक्षित, प्रभावी एवं उत्तरदायी उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 'उत्तर प्रदेश एआई मिशन (यूपी-एआईएम)' की स्थापना, क्रियान्वयन एवं संचालन को मंजूरी दी गई। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि मिशन मोड में संचालित होने वाले यूपी-एआईएम के माध्यम से राज्य में एआई आधारित नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास, स्टार्टअप एवं उद्यमिता, हार्ड-कैपेसिटी क्यूंटिंग और एआई आधारित डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा। इसके तहत एकीकृत यूपी एआई स्टैक विकसित किया जाएगा, जिसमें एआई रेडी डेटा इकोसिस्टम, एआई ऑपरेटिंग फ्रेमवर्क, विभागीय एआई एप्लीकेशन, सुस्थित डेटा एक्सचेंज प्लेटफॉर्म और जीपीयू आधारित एआई क्यूंट की सुविधा उपलब्ध होगी।मिशन के तहत 100 से अधिक एआई यूज केसेस विकसित/क्रियान्वित किए जाएंगे, जबकि 25 से 30 उपयोग-प्रकरणों को बड़े



स्तर पर विस्तार दिया जाएगा। कम से कम 100 एआई स्टार्टअप को वित्तीय एवं गैर-वित्तीय सहायता, पांच लाख एआई फ्लुएंट युवाओं का कौशल विकास और 50 हजार फॉरवर्ड डिजिटल एआई प्रोफेशनल्स तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। यूपी एआईएम को सात प्रमुख आयामों के माध्यम से लागू किया जाएगा। इनमें यूपी एआई स्टैक एवं डेटा एक्सचेंज, एआई टैलेंट एवं पयूचर स्किल्स, एआई रिसर्च एवं सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस, एआई स्टार्टअप एवं एम्प्लेसमेंट, एआई क्यूंट एवं डिजिटल

इन्फ्रास्ट्रक्चर, एआई ट्रस्ट एवं एक्शेंस तथा डिस्ट्रिब्यूट एआई एनेबलमेंट शामिल हैं।मिशन के तहत प्रदेश के सभी 75 जनपदों में डिस्ट्रिक्ट एआई केंद्र विकसित किए जाएंगे। ये केंद्र स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए एआई आधारित नवाचार, प्रशिक्षण, रोजगार, स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देंगे। एआई सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस, रिसर्च प्रोजेक्ट, इनोवेशन चैलेंजर्स और हैकथॉन्स के माध्यम से अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहन दिया जाएगा। एआई के सुरक्षित और जिम्मेदार

इस्तेमाल के लिए एआई ट्रस्ट एंड एक्शेंस फ्रेमवर्क भी विकसित होगा। इसमें हार्ड-स्मैक्ट सरकारी एआई समाधानों के लिए सुरक्षा, गोपनीयता, जॉइंटम मूल्यांकन, प्री-डिलीमिटेड असेसमेंट और मानव पर्यवेक्षण पर विशेष जोर रहेगा यूपी-एआईएम को आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के अंतर्गत स्वतंत्र सोसाइटी के रूप में स्थापित किया जाएगा। इसके संचालन के लिए एपेक्स बोर्ड, गवर्निंग बोर्ड और एक्जीक्यूटिव कमेटी की व्यवस्था होगी। मिशन का नेतृत्व सीईओ करेंगे। यूपी एआई स्टैक के विकास और संचालन के लिए मास्टर सिस्टम इंटीग्रेटर (एमएसआई) का चयन किया जाएगा। एमएसआई द्वारा एआई स्टैक और एआई सॉल्यूशन का डिजाइन, विकास, इंटीग्रेशन, डिप्लॉयमेंट, संचालन एवं रखरखाव किया जाएगा, जिसकी समीक्षा एमएसए और निर्धारित मॉडलस्टोन के आधार पर की जाएगी। भविष्य में यूपी एआई स्टैक ऑपरेटिंग प्लेटफॉर्म सभी विभागों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। विभागों से जुड़े एआई स्टार्टअप और तकनीकी साझेदारों को ओपन वेट मॉडल्स (एमएसएमएस/एमएसएमएस), डेवलपमेंट सैंडबॉक्सिंग और टेस्ट सैंडबॉक्सिंग जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी।

भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देता : सिंधिया



कि एक 'खास' कंपनी की काफी चर्चा हो रही है, लेकिन वास्तविकता यह है कि तीन कंपनियों को उग्रह संचार (सेटकॉम) लाइसेंस मिल चुके हैं और वे सुरक्षा संबंधी शर्तों तथा निर्धारित लक्ष्यों को अलग-अलग पूरा करने के बाद परिचालन शुरू कर सकती हैं। सिंधिया ने बताया कि मस्क की

स्टारलिक, रिलायंस जियो की उपग्रह सेवा इकाई जियो सैटकॉम और भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब को लाइसेंस मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमेजन की कुदृष्ट ने इस क्षेत्र में रुचि दिखाई है, उसे भी निर्धारित प्रक्रिया से गुजरना होगा।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि हमारा रुख बिल्कुल स्पष्ट है। तीन कंपनियों को लाइसेंस मिले हैं। सरकार जब राजस्व आधारित शुल्क व्यवस्था तय कर देगी, तब उन्हें स्पेक्ट्रम आवंटित किया जाएगा। इसके बाद जब वे अलग-अलग सुरक्षा शर्तों को पूरा कर लेंगी, तब परिचालन शुरू कर सकती हैं।

राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के झूठ और दुष्प्रचार के बावजूद भाजपा लगातार चुनाव जीत रही है : शाह



कि जनता ने 'इंडी' गठबंधन को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा को मिल रहा जनसमर्थन लगातार कायम है।

गृह मंत्री ने विपक्षी दलों पर चुनाव में हार के बाद संस्थाओं पर सवाल उठाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि जनाधार खो चुके ये दल हर हार के बाद संस्थाओं पर सवाल उठाते हैं, लेकिन जनता उनके इस रवैये को पहचान चुकी है। शाह ने दावा किया कि लोगों ने एक बार फिर जनादेश देकर भाजपा पर अपना विश्वास व्यक्त किया है। शाह ने चुनावों में जीत के लिए पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुब्रह्मण्यम अधिकारी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगामांमो को बधाई दी।

गुजरात के कच्छ में ट्रक और पिकअप गाड़ी के बीच भीषण टक्कर, सात लोगों की मौत

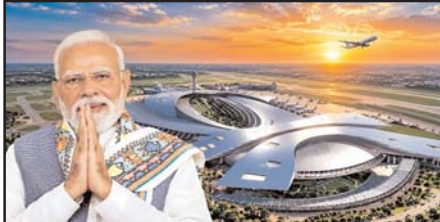
कच्छ, एप्रेंसी। गुजरात के कच्छ में एक गंभीर दुर्घटना में सात मजदूरों की मौत हो गई। जानकारी सामने आई कि एक ट्रक ने मजदूरों को ले जा रही पिकअप गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हुआ। इस घटना में कई लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह दुर्घटना गुरुवार देर रात कच्छ के खावड़ा में अरी पार्क के पास हुई। अधिकारियों ने बताया कि पिकअप वाहन में 15 से अधिक मजदूर सवार थे। सभी लोग अपने घर के लिए लौट रहे थे। इसी बीच पिकअप गाड़ी ओवरटेक कर रही थी और उसकी टक्कर हो गई। एक ट्रक ने पिकअप गाड़ी को टक्कर मारी। इस घटना के बाद चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने घायलों की मदद की। इसके साथ ही, पुलिस को घटना की सूचना दी गई। अधिकारियों ने बताया कि घटना में सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई मजदूर घायल हुए हैं। पुलिस टीम ने घायलों को अस्पताल के लिए भेजा, जबकि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अधिकारियों के अनुसार, शवों को पोस्टमार्टम के लिए खवाड़ा से भुज भेजा गया है। वहीं, यह पता चला है कि आरई पार्क इलाके में इस तरह का यह पहला बड़ा हादसा है। फिलहाल, पुलिस ने हादसे की आगे की जांच शुरू कर दी है। इससे पहले, मंगलवार को भावनगर जिले में दो वाहनों की टक्कर में सात लोगों की मौत हुई। यह हादसा भावनगर-सोमनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ था, जहां किनारे सर्विस रोड पर खड़ी एक ट्रैलर गाड़ी से एसयूवी टकराई।

जेवर एयरपोर्ट अब कहलाएगा 'नरेन्द्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट': सीएम

सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री के सम्मान में योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला, नामकरण प्रस्ताव पारित

लखनऊ, संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर अब 'नरेन्द्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट' के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में एयरपोर्ट के नामकरण का प्रस्ताव पारित किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लिए गए इस निर्णय को मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के प्रति प्रदर्श सरकार की कृतज्ञता और उत्तर प्रदेश के विकास में उनके मार्गदर्शन एवं योगदान के सम्मान का प्रतीक बताया। कैबिनेट बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री ने बताया कि कैबिनेट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर अभिनंदन प्रस्ताव भी पारित किया है। 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री जी ने सरकार के

मुखिया के रूप में 25 वर्षों की निरंतर और समर्पित सार्वजनिक सेवा पूरी की। यह भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। 25 वर्षों की यह यात्रा 'सेवा, समर्पण और राष्ट्र प्रथम' की भावना से संचालित रही है। यह यात्रा केवल सत्ता या शासन की यात्रा नहीं, बल्कि 'जनसेवा से जनकल्याण और जनभागीदारी से जनविक्षास' की यात्रा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर प्रधानमंत्री जी की ओर से उत्तर प्रदेश को मिली एक बड़ी सौगात है। यह एयरपोर्ट आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था, उद्योग, पर्यटन और वैश्विक कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देगा। इसी भावना के साथ कैबिनेट ने एयरपोर्ट का नाम 'नरेन्द्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट' किए जाने का प्रस्ताव पारित किया है। कैबिनेट प्रधानमंत्री जी



के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, उनके सतत मार्गदर्शन, उत्तर प्रदेश के विकास के प्रति उनकी प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं रहा। काशी के बाले नेतृत्व के प्रति आधार व्यक्त करती है। कैबिनेट ने प्रधानमंत्री जी के यशस्वी नेतृत्व के प्रति अभिनंदन भी व्यक्त किया। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार 'विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित भारत-2047' के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा,

निष्ठा और प्रतिबद्धता से काम करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी काशी से निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं और उत्तर प्रदेश की धरती से देश का नेतृत्व कर रहे हैं। 2014 में प्रधानमंत्री जी ने काशी आगमन पर कहा था- 'मुझे मां गांग ने बुलाया है।' इसके बाद काशी और प्रधानमंत्री जी का संबंध केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं रहा। काशी के विकास, आध्यात्मिक पुनर्जागरण और उत्तर प्रदेश के समग्र विकास के बीच एक नया संबंध बना। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और केंद्र-प्रदेश की 'डबल इंजन' सरकार के समन्वय से उत्तर प्रदेश में विकास की नई कार्यसंकूति विकसित हुई। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश

प्रशासनिक जड़ता, असुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा था। इसके बाद पारदर्शी और तकनीक आधारित सुशासन, मजबूत कानून-व्यवस्था, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और निवेश के अनुकूल वातावरण को विकास का आधार बनाया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में करीब 2,483 किलोमीटर लंबे 42 राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगभग 760 हजार करोड़ खर्च किए गए हैं। दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं ने प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई गति दी है। 730 हजार करोड़ से अधिक लागत से दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत/आरआरटीएस परियोजना देश में हाई-स्पीड सार्वजनिक परिवहन की नई मिसाल बनी है।

गंगा का जलस्तर कम होने के बाद बड़ी नावों और बजड़ों का संचालन फिर शुरू

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी में जैसे जैसे गंगा का जलस्तर कम होने के बाद शुकवार से बड़ी नावों और बजड़ों संचालन शुरू हो गया। एसीपी दशाश्वमेध डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि सुबह छह से शाम पांच बजे तक की छूट दी गई है। अभी छोटी और चप्पू वाली नावें नहीं चलेगी। बताया कि गुरुवार शाम छह बजे गंगा का जलस्तर 65.66 मीटर था। प्रवाह की गति पहले से कम हुई है। इसलिए बड़े बोट और बजड़ों के संचालन की अनुमति दी गई है। छोटी एवं चप्पू (हाथ) से चलने वाली नावों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। जलस्तर में और कमी आने पर उनको अनुमति दी जाएगी। बताया कि रात में नाव संचालन पर पाबंदी है। साथ ही, सभी यात्रियों को नाव में चढ़ने से लेकर उतरने तक लाइफ जैकेट पहनाने, बोट में रस्सा रखने को कहा गया है। जल पुलिस की ओर से निर्धारित सभी सुरक्षा नियमों एवं निर्देशों का पालन अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि मौसम अथवा गंगा की स्थिति में कोई प्रतिकूल परिवर्तन होने पर नाव संचालन के संबंध में उचित निर्णय किया जा सकता है।

युवाओं को मिलेगा पांच लाख तक ब्याजमुक्त ऋण

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बाराबंकी। जनपद में अपना कारोबार शुरू करने की योजना बना रहे युवाओं के लिए उद्योग विभाग पांच लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध करा रहा है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन लिए जा रहे हैं। उपायुक्त, उद्योग केंद्र दिनेश चौरसिया ने बताया कि योजना के तहत पात्र आवेदकों को कारोबार शुरू करने के लिए पांच लाख रुपये तक का ऋण मिलेगा। निर्धारित प्रक्रिया से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। पात्रता के आधार पर ऋण स्वीकृत होगा

यूपी बोर्ड के लिए 12 से शुरू होगी केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। शैक्षिक सत्र-2027 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं के केंद्र निर्धारण की संशोधित समय-सारिणी जारी कर दी गई है। डीआईओएस विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि 12 अक्तूबर से ऑनलाइन केंद्र निर्धारण प्रक्रिया शुरू होगी और 27 नवंबर तक पूरी होगी। रयनि्त केंद्रों की छात्र आवंटन सहित सूची 22 अक्तूबर को परिषद की वेबसाइट पर अपलोड होगी। डिबार, मान्यता प्रत्याहरण की कार्यवाई वाले और अनर्ह विद्यालयों की सूची 23 अक्तूबर को प्रदर्शित होगी। चयनित केंद्रों पर छात्र, अभिभावक, प्रधानाचार्य और प्रबंधक 28 अक्तूबर तक ऑनलाइन आपति दर्ज करा सकेंगे। आपतियों के परीक्षण और निस्तारण के बाद अनुमोदित आख्या छह नवंबर तक परिषद की वेबसाइट पर भेजी जाएगी। अनुमोदित केंद्रों की सूची 16 नवंबर को अपलोड होगी।मानक से अधिक दूरी क्षमता से अधिक छात्र आवंटन पर 21 नवंबर तक ऑनलाइन प्रत्यावेदन किया जा सकेगा।

घुटनों तक पानी में उतरकर सुध लेने पहुंचीं महापौर सुष्मा खड़कवाल, भड़की जनता

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के फैजुल्लागंज में हालात बिगड़ने के बाद आखिरकार प्रशासन और नगर निगम की नौद खुल गई है। पिछले 5 दिनों से गोमती नदी के बड़े जलस्तर और बंदा रोड ओवरफ्लो होने की वजह से पूरा इलाका पानी में डूबा हुआ है। जब लोग जलभराव, पीने के पानी और बिजली की किल्लत से परेशान होकर थक गए, तब जाकर महापौर सुष्मा खर्कवाल अधिकारियों के साथ मौके पर जायजा लेने पहुंचीं। सुष्मा खर्कवाल और नगर आयुक्त ने दाऊतनगर निवासी के बाढ़ प्रभावित इलाके का गुरुवार को दौरा किया। कई गलियों में पानी इतना गहरा था कि अधिकारियों को नाव का सहारा लेना पड़ा, तो कहाँ वे खुद पानी में उतरकर लोगों का हाल लेने पहुंचे और प्रभावित परिवारों को पानी की बोतलों और राशन किट बांटी। साथ ही, जल निकासी के लिए अतिरिक्त पंपिंग सेट लगाने और फॉगिंग कराने के निर्देश दिए गए।

ऊर्जा के क्षेत्र में सशक्त उत्तर प्रदेश बनेगा आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव: पाठक

■ **एसोचैम द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश ऊर्जा संगम- 2026 में डिप्टी सीएम ने रखे विचार**

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि ऊर्जा किसी भी प्रदेश की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार, कृषि विकास और जनकल्याण की आधारशिला है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल एवं तेजी से विकास की ओर अग्रसर राज्य के लिए निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और किफायती बिजली की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है। शुकवार को देश के प्रतिष्ठित उद्योग एवं वाणिज्य संगठन एसोचैम द्वारा आयोजित उत्तर



प्रदेश ऊर्जा संगम-2026 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र की अपार संभावनाओं, आधुनिक ऊर्जा अवसरचना के विकास, निवेश के लिए अवसरों तथा विकास के लिए सरकार और उद्योग जगत के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि ‘ऊर्जावान उत्तर

संविदा एनएचएम कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार 12 अटूबर

को लखनऊ के ईको गार्डन में जुटेंगे प्रदेशभर के कर्मचारी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) संविदा कर्मचारी संघ के आह्वान पर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया है। संघ की ओर से जारी पोस्टर के अनुसार 8 9 एवं 10 अक्टूबर 2026 को जिला मुख्यालयों पर कार्य बहिष्कार का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसमें जनपद के समस्त एनएचएम संविदा कर्मचारियों की भागीदारी का आह्वान किया गया है।

जलभराव से त्रस्त आर्यनगर के लोगों का फूटा गुस्सा नगर पालिका का घेराव कर किया धरना-प्रदर्शन

■ **पालिका अध्यक्ष कौमुदी पांडे और स्वच्छ भारत मिशन कार्यालय का घेराव, सभासद अतुल अग्निहोत्री पर समस्याएं अनसुनी करने का आरोप**

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गंगाघाट, उ्नाव। शुकवार को वार्ड संख्या 18 आर्यनगर में जलभराव की समस्या से परेशान महिलाओं और पुरुषों ने नगर पालिका परिषद गंगाघाट पहुंचकर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पालिका अध्यक्ष श्रीमती कौमुदी पांडे के कार्यालय और स्वच्छ भारत मिशन कार्यालय का घेराव कर अपनी नाराजगी जताई। लोगों ने क्षेत्र में जलभराव की समस्या का जल्द समाधान कराने और जलनिकासी की समुचित व्यवस्था किए जाने की मांग उठाई।=

प्रदर्शनकारियों के नगर पालिका परिसर पहुंचने से अधिकारियों में हड़कंप मच गया। वहीं, धरना-प्रदर्शन की सूचना मिलने पर गंगाघाट पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे महिलाओं और पुरुषों को समझाने का प्रयास



किया।

चुनाव जीतने के बाद सभासद दिखाई तक नहीं देते-प्रदर्शनकारी

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने वार्ड सभासद अतुल अग्निहोत्री पर नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया कि चुनाव जीतने के बाद सभासद उनकी समस्याएं सुनना तो दूर, क्षेत्र में दिखाई तक नहीं देते हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वार्ड में

जलभराव की समस्या से लोग परेशान हैं, लेकिन उनकी समस्या सुनने वाला कोई नहीं है। इसी नाराजगी के चलते वार्ड के महिला और पुरुषों को नगर पालिका परिषद गंगाघाट पहुंचकर धरना-प्रदर्शन करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने नगर पालिका प्रशासन से वार्ड में जलभराव की समस्या का जल्द समाधान कराने तथा जलनिकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली शिवगंगा और सुपरफास्ट निरस्त

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। नई दिल्ली में सीजेपी के आंदोलन के कारण शुकवार रात बनारस से नई दिल्ली जाने वाली शिवगंगा एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या-12559) और सुपरफास्ट एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या-12581) को निरस्त कर दिया गया। इससे 3200 से ज्यादा यात्री गंतव्य तक नहीं जा पाए। उन्हें रेलवे की ओर से निरस्तीकरण का मैसेज भेजा गया। यात्रियों की सुविधा के लिए बनारस स्टेशन पर हेल्प डेस्क भी बनाया गया है। यहां चेकिंग स्टाफ ने यात्रियों को जरूरी जानकारी दी। ग्रुप रिजर्वेशन समेत दोनों ट्रेनों के 200 से ज्यादा यात्रियों ने बनारस और कैंट स्टेशनों के रिजर्वेशन काउंटरों पर टिकट वापस किए। रेलवे ने उन्हें पूरा किराया वापस कर दिया। ऑनलाइन टिकट वापसी का आंकड़ा इससे अलग है।

रेलवे बोर्ड ने शुकवार सुबह ही दोनों ट्रेनों के निरस्तीकरण की सूचना जारी कर दी थी। पूर्वोत्तर रेलवे (वाराणसी मंडल) के जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने रेल यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। उन्होंने बताया कि यात्रियों को निरस्तीकरण का मैसेज तत्काल भेजा गया। उनका पूरा किराया भी वापस होगा। शिवगंगा एक्सप्रेस में शुकवार को 112 लोगों का ग्रुप रिजर्वेशन निरस्त हो गया। इसके अलावा देर शाम तक 20 से ज्यादा टिकट कैसिल हुए। वहीं, बनारस-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस में 30 से ज्यादा टिकट रद्द हुए। अधिकारियों के मुताबिक यात्री 72 घंटे तक टिकट वापस कर सकते हैं।

पीडीबीयू रेल मंडल के डीसीएम विश्वनाथ ने बताया कि यहां से गुजरने वाली अप 12301 हावड़ा-

नई दिल्ली राजधानी, 12309 राजेंद्र नगर-नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस, 12393 राजेंद्र नगर-नई दिल्ली संपूर्ण क्रांति सुपरफास्ट, 20801 इस्लामपुर-नई दिल्ली ममथ एक्सप्रेस, 22361 राजेंद्र नगर-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस और 12877 रंची-नई दिल्ली गरीब रथ एक्सप्रेस को रद्द किया गया है। वहीं, पूर्वांचल के प्रमुख स्टेशनों को सतर्क रहने को कहा गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार ने बताया कि 10 अक्तूबर को नई दिल्ली से बनारस आने वाली शिवगंगा एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या-12560) और सुपरफास्ट एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या-12582) निरस्त रहेंगी। उन्होंने बताया कि अपरिहार्य कारणों से दोनों गाड़ियों को रद्द किया गया है। नई दिल्ली के आंदोलन के मद्देनजर वाराणसी जंक्शन (केंट), बनारस और वाराणसी सिटी स्टेशनों पर रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस ने शुकवार को अतिरिक्त सतकता बरती। नई दिल्ली जाने या गुजरने वाली ट्रेनों की जांच भी की गई। एलआईयू, एसआईबी आदि सुरक्षा एजेंसियां हर स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं।

आंदोलन में शामिल होने के लिए कोई समूह न जा सके, इसके लिए राजमार्गों पर विरोध निगरानी रही। चूंकि नई दिल्ली जाने वाली ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं, ऐसे में आंदोलन में शामिल होने वाले लोगों के बस से जाने की संभावना पर राजमार्गों पर भी कड़ी निगरानी रखी गई। प्रयागराज और जौनपुर सीमा पर पुलिस ने औचक चेकिंग की। पुलिस ने ट्रएण्ड ट्रेवल एजेंसी संचालकों से भी दिल्ली जाने वाली बसों के संबंध में जानकारी ली।

पता कराया गया कि कोई बस दिल्ली के लिए अचानक बुक तो नहीं की गई। हालांकि ऐसी कोई बुकिंग नहीं मिली।

नई दिल्ली के जंतर मंतर पर सीजेपी समेत अन्य संगठनों के आंदोलन के आह्वान को देखते हुए जिले में भी अलर्ट है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि वाराणसी में स्थानीय स्तर पर नजर रखने के लिए निर्देश दिए गए हैं। आंदोलन के समर्थन में बिना अनुमति अगर किसी तरह का कार्यक्रम, प्रदर्शन आदि होता है तो कार्रवाई की जाएगी। कानून व्यवस्था अपने हाथ में लेने की अनुमति किसी को नहीं है।

नई दिल्ली जाने के लिए शिवगंगा एक्सप्रेस और बनारस-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस सबसे प्रमुख ट्रेनों में शुमार हैं। बनारस स्टेशन के प्लेटफॉर्म नम्बर-8 से प्रतिदिन रवाना होने वाली दोनों ट्रेनें अन्य गाड़ियों की अक्षेपा कम समय में नई दिल्ली पहुंचती हैं। दोनों के अचानक निरस्त होने से यात्रियों के सामने विकट स्थिति आ गई। मल्टीनेशनल कम्पनी में काम करने वाले प्रयागराज निवासी सौरभ और राहुल काशी आए थे। इन्हें कम्पनी की मीटिंग में शामिल होने नई दिल्ली जाना था। शिवगंगा एक्सप्रेस के एसी कोच में उनका रिजर्वेशन था। दिन में ट्रेन निरस्त होने का पता चला तो विकल्प के रूप में शाम को उन्होंने बस पकड़ ली। सुपरफास्ट एक्सप्रेस के यात्री गिल्ट बाजार निवासी अभय सिंह ने फरफ़ा एक्सप्रेस में किसी तरह जगह बनाई। ट्रेनों के निरस्त रहने से श्रमजीवी एक्सप्रेस, सद्भावना एक्सप्रेस, काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस, वाराणसी-नई दिल्ली स्पेशल, स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के कोचों में भीड़ भी बढ़ गई।

सीतापुर में चलने योग्य सड़कों को दोबारा बनाने पर सवाल गली-मोहल्लों की सड़कें गड्ढों में तब्दील

सक्रियता दिखाई नहीं दे रही है। शहर के कई मोहल्लों में सड़कों की सतह उखड़ चुकी है और जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। इससे दोपहिया वाहन चालकों पैदल राहगीरों बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को आवागमन में कठिनाई होती है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भरने से स्थिति और भी खराब हो जाती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जिन सड़कों की मरम्मत की तत्काल आवश्यकता है उन पर ध्यान देने के बजाय चलने योग्य सड़कों को दोबारा बनाए जाने की प्राथमिकता पर विचार किया जाना चाहिए।

विकास कार्यों की प्राथमिकताओं पर सवाल नगरपालिका क्षेत्र में सड़क निर्माण और मरम्मत पर खर्च होने वाली धनराशि का उपयोग जनहित की जरूरतों के अनुसार होना चाहिए। नागरिकों का सवाल है कि जब गली-

मोहल्ले की सड़कें बदलाई हैं तो पहले उन मार्गों की मरम्मत क्यों नहीं कराई जाती जहां लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है? यदि चलने योग्य सड़कों का पुर्ननिर्माण कराया जा रहा है तो उसके औचित्य और कार्यों के चयन के आधार को भी सर्वजनिक किया जाना चाहिए।चुनाव का समय नजदीक आने के बीच शहर की सड़कें और विकास कार्य चर्चा का विषय बन रहे हैं। नागरिक चाहते हैं कि केवल नए निर्माण पर ही नहीं बल्कि पहले से बनी सड़कों के रखरखाव और खराब मार्गों की मरम्मत पर भी गंभीरता से ध्यान दिया जाए।अब देखना यह है कि नगरपालिका परिषद के जिम्मेदार अधिकारी शहर की बद्दहाल सड़कों का सर्वेक्षण कराकर मरम्मत की प्राथमिकताएं तय करने हैं या फिर गली-मोहल्ले के लोग इसी तरह परेशान होते रहेंगे।

562 पंडालों में विराजेंगी मां दुर्गा विसर्जन तक पुलिस रहेगी सतर्क

लोक हस्तक्षेप संवाददाता लखीमपुर खीरी। शारदीय नवरात्र 11 अक्तूबर से शुरू होंगे। जिले में इस बार 562 स्थानों पर दुर्गा की मूर्तियां स्थापित की जाएंगी और 557 जगहों पर विसर्जन होगा।

पूजा पंडालों में उमड़ने वाली भीड़ से लेकर विसर्जन तक सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने तैयारी पूरी कर ली है। अराजक तत्वों पर नजर रखने के लिए सादे कपड़ों में भी जवान तैनात रहेंगे।

एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने बताया कि प्रतिमा स्थापना और विसर्जन के दौरान पर्याप्त पुलिस बल लगाया जाएगा। पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा लेने के निर्देश दिए गए हैं। पंडालों और विसर्जन स्थलों पर भीड़ को नियंत्रित करने के साथ यातायात व्यवस्था सुचारु रखने पर भी जोर दिया गया है। पुलिस को शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

धार्मिक ग्रंथ के पन्ने जलाने पर भड़का सिख समाज दिया धरना

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद में गुरुद्वारा निर्मल आश्रम में धार्मिक ग्रंथ के पन्ने फाड़कर जलाने के मामले में शुकवार को सिख समाज का आक्रोश फूट पड़ा। बड़ी संख्या में सिख समाज के लोग कलकटेट गेट पर पहुंच गए और धरने पर बैठकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग की। सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसडीएम ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट कहा कि जब तक आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज नहीं किया जाता और निर्मल आश्रम से महंत को हटाकर उसकी पूरी जिम्मेदारी गुरु सिंह सभा को नहीं सौंपी जाती, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। बाद में प्रशासन के आश्वासन के बाद लोगों ने धरना समाप्त कर दिया।

सरकारी बिजली से चार्ज हो रही CMS की गाड़ी,महिला अस्पताल पर उठे सवाल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उ्नाव। जिला महिला अस्पताल में सरकारी बिजली से महिला एम्स अरविंद कुमार आनंद की चारपहिया गाड़ी चार्ज किए जाने का मामला चर्चा में है। आरोप है कि सरकारी बिजली का इस्तेमाल निजी गाड़ी चार्ज करने में किया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि गाड़ी चार्ज करने में खर्च होने वाली बिजली का बिल कौन जमा करेगा? संबंधित अधिकारी या फिर सरकारी खजाने से इसका भुगतान होगा?मामले की उच्चस्तरीय जांच करवाए जाने की मांग उठ रही है। वहीं, जिला महिला अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और जांच कराकर क्या कार्रवाई करते हैं।



उड़वा कांड में पीड़ित का बड़ा आरोप ,फर्जी मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने हटा दी धारा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

ऊंचहार , रायबरेली। जगतपुर थाना क्षेत्र के उड़वा गांव में स्कूल छोड़ने कार से जा रही मासूम और उसकी मां पर हुए हमले में पुलिस पर बड़ा गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित महिला के पति कुंवर मोहित सिंह ने कहा है कि पीड़िता का मेडिकल हुआ नहीं और फर्जी मेडिकल रिपोर्ट तैयार करवाकर मामले में गंभीर धाराओं को हटा दिया गया है।

ज्ञात हो कि बुधवार की सुबह मोहित सिंह की पत्नी रिडिमा सिंह पर उस समय हमला कर दिया गया जब वह अपनी मासूम बेटी को कार से स्कूल छोड़ने जा रही थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया में खूब वायरल हुआ है। इस मामले में पुलिस ने जानलेवा हमला का मामला दर्ज किया था। पीड़ित महिला के पति का कहना है कि पुलिस के प्राथमिकी दर्ज करने के बाद घायल का चिकित्सीय परीक्षण नहीं कराया और रात में

आयोजित करने का आह्वान किया गया है। प्रदेश महामंत्री आदित्य भारती और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मयंक प्रताप सिंह की ओर से प्रदेश के समस्त जनपदों के कर्मचारियों से लखनऊ पहुंचने की अपील की गई है। आंदोलन के माध्यम से संविदा कर्मचारी अपनी मांगों को शासन तक पहुंचाने और उनके शीघ्र निस्तारण की मांग करेंगे। अब देखना होगा कि कर्मचारियों के आंदोलन के बाद शासन स्तर पर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

आप कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

लखनऊ एजेंसी। राजधानी में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। स्वास्थ्य भवन चौराहे पर कार्यकर्ता सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त पर वोट चोरी का आरोप लगाते हुए इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने विधानसभा की ओर बढ़ने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इसके बाद पुलिस प्रदर्शनकारियों को घसीटते हुए और टांगकर मौके से ले गई। इस दौरान आम आदमी पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा बेहोश हो गए। प्रदर्शन के बाद स्वास्थ्य भवन चौराहे पर पुलिस बल तैनात रहा। आप कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य भवन चौराहे पर सड़क पर बैठकर नारेबाजी की। वे चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी का आरोप लगाते हुए विरोध कर रहे थे।

योगी सरकार ने 455 लेखापालों को दी पदोन्नति, बने राजस्व निरीक्षक

लखनऊ एजेंसी। योगी सरकार ने प्रदेश में राजस्व प्रशासन को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सीएम योगी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद बोर्ड ने चयन वर्ष 2025-26 के तहत ऑनलाइन विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की प्रक्रिया पूरी करते हुए प्रदेश के 455 लेखापालों को राजस्व निरीक्षक (कानून्गी) के पद पर पदोन्नति प्रदान की है। पदोन्नत कर्मिकों की तैनाती के आदेश जल्द जारी किए जाएंगे। तहसील और क्षेत्रीय स्तर पर राजस्व कार्यों की निगरानी एवं पर्यवेक्षण और होगा प्रभावी उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद बोर्ड के चेयरमैन बीएल मीणा ने बताया कि पदोन्नति की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संपन्न कराई गई। निर्धारित पात्रता मानकों और सेवा अभिलेखों के आधार पर कर्मिकों का परीक्षण किया गया। परीक्षण के बाद 455 लेखापालों को पदोन्नति के लिए उपयुक्त पाया गया। ऑनलाइन डीपीसी के माध्यम से प्रक्रिया पूरी होने से विभागीय पदोन्नति में पारदर्शिता के साथ ही समयबद्धता को भी बढ़ावा मिला है। पदोन्नति से राजस्व निरीक्षक संवर्ग में रिक्त पदों को भरने में मदद मिलेगी। इससे तहसील और क्षेत्रीय स्तर पर राजस्व कार्यों की निगरानी एवं पर्यवेक्षण और प्रभावी होगा। वहीं, भूमि संबंधी मामलों, पैमाइश, राजस्व अभिलेखों और अन्य राजस्व कार्यों के निस्तारण में भी तेजी आने की उम्मीद है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार राजस्व मामलों के त्वरित और न्यायसंगत निस्तारण के साथ प्रशासनिक प्रक्रियाओं में तकनीकी के अधिकतम इस्तेमाल पर जोर दे रहे हैं। इसी क्रम में ऑनलाइन डीपीसी को कार्मिक प्रबंधन में पारदर्शिता, निष्पक्षता और तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

कॉिलेयर इम्लान्ट सर्जरी हेतु प्रदेश के 40 लाभार्थियों का चयन

लखनऊ एजेंसी। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नरेन्द्र कश्यप ने आज अपने सरकारी कार्यालय पर शल्य चिकित्सा अनुदान समिति एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। शल्य चिकित्सा अनुदान समिति के माध्यम से बताया गया कि आवंटित बजट 2200.00 लाख रुपये में से 20 करोड़ 40 लाख व्यय करते हुए प्रदेश के बंदायु और रायबरेली को छेड़ कर सभी जिलों को कवर किया गया। शेष धनराशि 01 करोड़ 60 लाख रुपये से बाराबंकी, गौतमबुद्ध नगर, कासगंज, हरदोई, कानपुर देहात व बदायूं से 01-01, बिजनौर, फिरोजाबाद, रायबरेली व बागपत से 02-02, खीरी से 03, श्रीमस्ती व बहराइच से 04-04, मेरठ, मुजफ्फरनगर व गोरखपुर से 05-05 कुल 40 लाभार्थियों का चयन कर कॉिलेयर इम्लान्ट सर्जरी हेतु प्रस्ताव भेजा गया है। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के लिए नये मुख्यालय के लिए भूमि आवंटन हेतु विभागीय अधिकारियों से अद्यतन जानकारी प्राप्त कर इसे शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये। दिव्यांगता पेशन भुगतान में होने वाले विलंब को लेकर मंत्री जी ने नाराजगी जहिर करते हुए पात्रों की जल्द दिव्यांगता पेंशन उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि भविष्य में विलंब की स्थिति को रोकने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिये। नरेन्द्र कश्यप ने 03 दिसम्बर को ‘अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस’ के अवसर पर भव्य आयोजन कराने और मुख्यमंत्री को मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित करने हेतु प्रस्ताव अभी से तैयार कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को भव्य और व्यापक स्तर पर करने के लिए समाज कल्याण विभाग से समन्वय स्थापित किया जा सकता है। बैठक में दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री ने सम्बन्धित अधिकारियों को कार्यों में प्रगति लाने तथा पात्रों को योजनाओं का लाभ देने के लिए सख्त निर्देश दिये।

चुनाव के ठीक पहले अखिलेश का अयोध्या दौरा, राममंदिर से दूरी पर उठे सवाल; संतों ने दी तीखी प्रतिक्रिया

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का अयोध्या से सियासी रिश्ता लगातार बना हुआ है, लेकिन रामलला के दर्शन को लेकर उनकी दूरी भी चर्चा में है। वर्ष 2022 से 2026 के बीच अयोध्या के उनके दौरों में रामलला के दर्शन नहीं करने का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। बृहस्पतिवार को अखिलेश यादव पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय ‘पवन’ के आवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में शामिल होने अयोध्या पहुंचे, लेकिन राम मंदिर नहीं गए। अखिलेश यादव कथा स्थल पर भगवान कृष्ण के जीवन में सामाजिक न्याय, समानता, प्रेम, दया और बंधुत्व का संदेश बताते रहे, लेकिन भागवत कथा के मंच से कृष्ण और न्याय की बात करने वाले अखिलेश का रामलला के दरबार तक नहीं पहुंचना संतों को खटक गया। संतों ने इसे लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। अखिलेश यादव इससे पहले 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान अयोध्या में रोड शो करने पहुंचे थे। उनका



रोड शो नया घाट तक गया था। इस दौरान भी उन्होंने रामलला के दर्शन नहीं किए थे। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी अखिलेश यादव फैजाबाद क्षेत्र में चुनावी कार्यक्रम में पहुंचे थे। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठ के बाद भी रामलला के दर्शन को लेकर उनकी ओर से अलग रख सामने आया। जनवरी 2024 में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठ के निमंत्रण के संदर्भ में अखिलेश ने कहा था कि समारोह के बाद दर्शन के लिए आएंगे। अब 2026 में एक बार फिर वह अयोध्या पहुंचे, लेकिन रामलला से दूरी बनाई।

अखिलेश और मुलायम कभी रामभक्त नहीं थे :महामंडलेश्वर गिरीश दास ने कहा कि अखिलेश और मुलायम कभी रामभक्त नहीं थे। आज से नहीं अयोध्या में रोड शो करने पहुंचे थे। उनका



वे लोग हैं जिन्होंने रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं। इनकी श्रद्धा राम के प्रति नहीं है। जो राम का नहीं है वह किसी काम का नहीं है। अखिलेश ने अयोध्या आकर रामलला के दर्शन न कर एक बार फिर ये साबित किया है।

एसे कालनेमी हिंदू से सावधान रहने की जरूरत है : पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश के अयोध्या दौरे को लेकर हनुमानगढी के पुजारी राजुदास ने कहा कि कुर्सी पर रहते हुए रामभक्तों पर गोली चलाते हैं, सत्ता से बाहर रहते भागवत कथा में पहुंचते हैं। उन्होंने हिंदुओं से ऐसे लोगों के प्रति जागरूक रहने की अपील की। कहा कि ऐसे कालनेमी हिंदू से सावधान रहने की जरूरत है। ये सनातन धर्म व संस्कृति का अपमान करने वाले लोग हैं।

होमगार्ड ने पत्नी और बेटी की गला कसकर की हत्या

लखनऊ एजेंसी। उत्तर प्रदेश में लखनऊ के कृष्णनगर थाना क्षेत्र में एक होमगार्ड ने शुक्रवार को पत्नी और तलाकशुदा बेटी की सोते समय गला कसकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी पर पुलिस के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कृष्णानगर थाना प्रभारी पीके सिंह ने बताया कि भोलाखेड़ा निवासी रविंद्र शंकर होमगार्ड के पद पर कार्यरत है। वह अपनी पत्नी श्यामा दुलारी (55) और दो बेटी पूजा (32) और प्रिया के साथ रहता है। बड़ी बेटी पूजा का दूसरा तलाक होने के बाद से वह पिता के घर पर रह रही थी। होमगार्ड ने पुलिस को फोन करके सूचना दी कि उसने अपनी पत्नी और बेटी पूजा की हत्या कर दी है। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच कर साक्ष्य जुटाते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपित को हिरासत में ले लिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि परिवार से पृष्ठताछ में पता चला है कि रवीन्द्र शंकर का अपनी पत्नी के साथ पारिवारिक विवाद था। कुछ समय पूर्व विवाद के बाद उसकी पत्नी बिना बताए घर से आभूषण लेकर चली गई थी, जिसके संबंध में रवीन्द्र शंकर ने थाना में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। कुछ दिन पूर्व उसकी पत्नी श्यामा दुलारी वापस घर आ गई थी। वहीं, पुत्री पूजा साहू का विवाह वर्ष 2017 में हुआ था। प्रथम विवाह से तलाक होने के उपरांत वर्ष 2022 में उसका पुनर्विवाह हुआ, किंतु दूसरे विवाह से भी तलाक होने के बाद वह अपने पिता के घर पर ही रह रही थी। प्रथमदृष्टया घटना के पीछे पारिवारिक कलह की आशंका प्रतीत हो रही है और घटना के वास्तविक कारण की जांच की जा रही है। परिजनों ने प्राप्त तहरीर के आधार पर सुरसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर कार्रवाई की जा रही है।

आवाज से होगी अपराधियों की पहचान, यक्ष एप पर अपलोड होंगे वॉयस सैंपल; डीजीपी ने जारी किए निर्देश

लखनऊ, एजेंसी। साइबर अपराधियों के साथ जबरन वसूली, फिरीती के लिए अपहरण और अन्य जघन्य अपराधों में शामिल आरोपियों की आवाज अब पुलिस के यक्ष एप पर सुरक्षित होगी। एप में वॉयस रिकॉर्डिंग अपलोड करने की सुविधा शुरू कर दी गई है। भविष्य में इन रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल वॉयस सचं, वॉयस मैचिंग और एआई आधारित विश्लेषण में किया जाएगा। डीजीपी राजीव कृष्ण ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।निर्देश के मुताबिक साइबर थानों में साइबर अपराधियों के वॉयस सैंपल अपलोड किए जाएंगे। जिलों के थानों में साइबर अपराधियों के अलावा जबरन वसूली, फिरीती के लिए अपहरण और अन्य जघन्य अपराधों के आरोपियों की आवाज भी अपलोड की जाएगी। थाना



प्रभारी को सीयूजी नंबर से डेशबोर्ड पर लॉगिन कर वॉयस रिकॉर्ड विकल्प चुनना होगा। इसमें वॉयस सचं, ऐड साइबर ऑडियो, ऐड अदर क्राइम ऑडियो और व्यू ऑल रिकॉर्ड्स विकल्प होंगे। साइबर अपराधियों की रिकॉर्डिंग एफआईआर या एनसीआरपी नंबर के आधार पर अपलोड होगी।

एफआईआर के मामले में नंबर, तारीख, जिला और थाना सही चुनना होगा। कम से कम 30 सेकंड की स्पष्ट रिकॉर्डिंग के साथ आवश्यक रिमांक दर्ज कर उसे सेव किया जाएगा। अन्य अपराधों में संबंधित श्रेणी चुननी होगी। इनमें एफआईआर नंबर अनिवार्य नहीं होगा।

मिशन शक्ति अभियान से महिलाएं हुईं सशक्त, 99 हजार से अधिक गांवों तक पहुंची महिला बीट पुलिस

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को मजबूत करने के लिए चलाया जा रहा मिशन शक्ति अभियान के प्रभावी परिणाम सामने आये हैं। मिशन शक्ति अभियान ने जहां एक ओर आधी आबादी को आत्मनिर्भर बनाया तो वहीं दूसरी ओर नाराजगी जहिर करते हुए पात्रों की जल्द दिव्यांगता पेंशन उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि भविष्य में विलंब की स्थिति को रोकने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिये। नरेन्द्र कश्यप ने 03 दिसम्बर को ‘अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस’ के अवसर पर भव्य आयोजन कराने और मुख्यमंत्री को मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित करने हेतु प्रस्ताव अभी से तैयार कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को भव्य और व्यापक स्तर पर करने के लिए समाज कल्याण विभाग से समन्वय स्थापित किया जा सकता है। बैठक में दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री ने सम्बन्धित अधिकारियों को कार्यों में प्रगति लाने तथा पात्रों को योजनाओं का लाभ देने के लिए सख्त निर्देश दिये।

संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने, अपराधों की रोकथाम और पीड़ितों को सहायता उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया गया। अभियान के तहत महिला सुरक्षा को लेकर जनपद स्तर पर 66,441 महिलाओं और बालिकाओं ने आयोजित दौड़ कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से 49,437 प्रचार-प्रसार सामग्री वितरित की गई। इनमें 1,930 जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और प्रेरणादायी महिलाओं ने भी भाग लिया। वहीं, धार्मिक स्थलों, मेलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर आयोजित महिला चौपालों के माध्यम से 15,55,219 लोगों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक करने के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया।

महिला एवं बाल सुरक्षा सगठन की नोडल अधिकारी एडजी पद्मा चौधान ने शुक्रवार को बताया कि योगी सरकार प्रदेश में महिला सुरक्षा को कानून-व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हुए जागरूकता, संवाद और सख्त कार्रवाई पर एक साथ जोर दे रही है। इसी क्रम में मिशन शक्ति अभियान फेज-पांच का द्वितीय चरण प्रदेश भर में संचालित किया गया। इस दौरान पुलिस, प्रशासन और संबंधित विभागों ने समन्वित रूप से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। अभियान में महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी देने के साथ

अधिकारियों और रोजगार सेवकों सहित अन्य स्थानीय प्रतिनिधियों ने सहयोग किया। इन कार्यक्रमों में 72,820 लोगों सहित जनमानस को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। महिलाओं की समस्याओं को सीधे सुनने और उन्हें सहायता उपलब्ध कराने के लिए महिला बीट पुलिस अधिकारियों ने व्यापक स्तर पर भ्रमण किया।

अभियान के दौरान महिला बीट अधिकारियों ने 99,377 ग्रामों और वार्डों का दौरा किया।

इस दौरान घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं की पहचान कर उन्हें आवश्यक सहायता से जोड़ने पर जोर दिया गया। घरेलू विवाद, भ्ररण-पोषण और अन्य समस्याओं से जुड़े मामलों में पीड़ितों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने तथा

जरूरत के अनुसार संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करने की पहल की गई। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस की निगरानी और चौकंग भी तेज की गई। 2,90,153 स्कूल-कॉलेजों तथा चौराहों, बाजारों, मॉल, पार्क और भीड़भाड़ वाले स्थानों की जांच की गई।

उत्तर रेलवे						
ई- ऑक्शन सूचना						
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है ।						
Admin Unit/Zone	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway					
Auction catalogue No./Lot no.	Catering-11-26					
Description of Work	Allotment of catering Stall at Ayodhya Cantt Railway station of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.					
Catalogue Published on	30-09-2026					
Auction Start (All Lots)	15-10-2026 at 11:00 hrs					
Auction close Date/Time	15-10-2026 at 11:50 hrs					
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E- Auction Module of www.ireps.gov.in					
Details of catering stalls to be auctioned are as under:-						
SN	Station	Lot No.	Stall ID	Close Date/Time	Quota	Sub Quota
1	Ayodhya Cantt	LKO-AYC-SMU-214-26-1	AYC/PF2&3/96	15.10.2026 at 11:30 hrs	SMU	BPL
2	Ayodhya Cantt	Catg-LKO-AYC-SMU-215-26-1	AYC/PF4&5/103	15.10.2026 at 11:40 hrs	SMU	Minority
3	Ayodhya Cantt	Catg-LKO-AYC-SMU-213-26-1	AYC/PF 1/92	15.10.2026 at 11:50 hrs	SMU	SC
No: C-285-Letter of award /E-auction/2024/JSM Dt:-09-10-2026						3518/2026
ग्राहकों की सेवा में मुखकान के साथ						

मोन्टफोर्ट इंटर कॉलेज में दो दिवसीय शैक्षणिक सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक महोत्सव का शुभारंभ

लखनऊ एजेंसी। मोन्टफोर्ट इंटर कालेज में दो दिवसीय शैक्षणिक सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक महोत्सव का शुभारंभ कालेज के प्रांगण में रंगारंग प्रस्तुति के साथ सभागार हुआ जिसमें लखनऊ के 17 प्रतिष्ठित विद्यालयों के प्रतिभागियों ने सृजनात्मक प्रतिसर्थां की भावना के साथ भाग लिया। इस महोत्सव का केन्द्रीय विचार था-जब तक सांस है तब तक उम्मीद है। प्रथम दिवस का शुभारंभ मुख्य अतिथि अजीत सिंह चौफ ऑपरेशन ऑफिसर, छव फाउन्डेशन लखनऊ) के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात विद्यालय की छात्राओं ने मनमोहक प्रार्थना नृत्य प्रस्तुत किया इसके बाद विद्यालय के प्रधानाचार्य ब्रदर जीनू अब्राहम ने अपने स्वागत भाषण में दृढ़ता से कहा कि- दुनिया को एक नई नजर से देखो,पुरानी रूढ़ियों को तोड़ो और कुछ नया सोचो। उन्होंने विद्यार्थियों से इसी भाव से भाग लेने को कहा। प्रतियोगिता का आरंभ मनोहर स्वागत-गीत से हुआ। इसके पश्चात विद्यालय की उपप्रधानाचार्या एवं कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती नीना कैरन दास ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा - जब तक सांस है तब तक आशा है अर्थात जब तक हम सांस ले रहे हैं तब तक जीवन में उम्मीद बाकी है। उम्मीद ही वह दीपक है जो बड़े से बड़े अंधेरे को भी हरा देता है। इसके बाद विलजर्ड के अंतर्गत प्रतिभागियों का लखबद्ध वाद्य कौशल देखने योग्य था।जो आपसी सामंजस्य का प्रतीक था।मॉक्सी इफ़ोनी कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सुरों का जादू बिखेरा। रील क्रॉनिकल में प्रतिभागियों में डिजिटल कला और फोटोग्राफी के माध्यम से रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। बायोमस्केल्टियर एक्ट में वैज्ञानिक सृजनता देखने योग्य थी ।सिलवट एवं डेवलपर्स डिलाइट में तकनीकी नवाचार का प्रयोग किया गया। माइंड बॉगलर प्रतियोगिता में तर्क और ज्ञान की झंकी देखने को मिली। इस प्रकार अपार सृजनात्मक ऊर्जा और संकारात्मकता के संदेश के साथ इस दो दिवसीय सांस्कृतिक ,साहित्यिक एवं वैज्ञानिक महोत्सव का प्रथम दिन समाप्त हुआ।



पदाधिकारियों की नाराजगी दूर करने पर जोर दिया गया। इसके बाद जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, क्षेत्र पदाधिकारी, क्षेत्र में निवास करने वाले प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक हुई। इन सबको हर महीने चार संगठनात्मक बैठकें करने की जिम्मेदारी दी गई। इनमें जिला पदाधिकारियों, मंडल और शक्ति केंद्र के संयोजकों की बैठक शामिल रहेगी। महीने के अंतिम रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के बाद बुथ कमेटियों की चौथी बैठक होगी। इसके जरिये हर बूथ पर दस लोगों को सक्रिय किया जाएगा। ये हैं बेबी बूमर्स: 1946 से 1964 के बीच पैदा हुए लोगों को बेबी बूमर्स कहा जाता है। इनमें 62 से 80 साल तक के बुजुर्ग शामिल रहते हैं।

बैठकों में इनकी उपस्थिति रही:

45 बीघा सरकारी जमीन पर भूखंड काटने की होगी जांच

लखनऊ, एजेंसी। महापौर सुषमा खर्कवाल ने बृहस्पतिवार को लालजी टंडन वार्ड के सैथा, सुखलाल खेड़ा और गुलमी खेड़ा समेत बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान पार्षद रोशनी रावत ने गोमती नदी किनारे नगर निगम की करीब 45 बीघा जमीन पर भूखंड काटकर बेचने की शिकायत की। महापौर ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया और नगर आयुक्त गौरव कुमार को जांच के निर्देश दिए। महापौर के इस निर्देश से नगर निगम के अफसरों में खलबली मच गई। पार्षद ने इस संबंध में जिलाधिकारी से भी शिकायत की है। महापौर ने नगर निगम के अधिशासी अभियंता अशोक कुमार और जौनल अधिकारी अमरजीत यादव के साथ बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। नगर निगम की टीम ने घर-घर भोजन, पेयजल और दवाइयां पहुंचाईं। महापौर ने अधिकारियों को राहत सामग्री का वितरण लगातार जारी



रखने के निर्देश दिए।

लोहरामऊ, दाउदनगर, मिर्झत नगर का भी लिया जायजा: महापौर ने नगर आयुक्त या सच जौन-3 के लोहरामऊ, फैजुल्लगंज, दाउदनगर और मिर्झत नगर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित लोगों से उनकी जरूरतों की जानकारी ली और भोजन, पानी व दवाइयां वितरित कीं। अधिकारियों को जरूरतमंद परिवारों तक राहत सामग्री

समय से पहुंचाने के निर्देश दिए।

खुद भोजन चखकर जांची गुणवत्ता: महापौर ने राहत शिविर में तैयार भोजन स्वयं चखकर उसकी गुणवत्ता जांची। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रभावित लोगों को तीनों समय स्वच्छ, पोष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। वितरण में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

भारत का चुनावी संकट अब ले रहा सर्वोच्च न्यायालय की परीक्षा

के रवीन्द्र
भारत की चुनाव प्रणाली अब ऐसी स्थिति में पहुँच गयी है जहाँ वहक सिम्फतदाता सूची में गलतियों का सीमित नहीं है। ज्यादा अहम सवाल यह है कि क्या नागरिक उस संवैधानिक संस्था पर भरोसा बनाए रख सकते हैं, जिसे यह यह सूची की जिम्मेदारी दी गई है कि सूची में कौन शामिल होगा, नाम कैसे टटए जाएँ और क्या इस प्रक्रिया के नियम निष्पक्ष रूप से लागू किए जा रहे हैं? चुनाव आयोग के दावों के बावजूद, भारतीयों की जनता के साथ धोखाधड़ी करने के आरोप सूचीदा विश्वसनीय लग रहे हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े घटनाक्रमों ने इस विवाद को महज एक आम पक्षपाती शिकायत मानकर खारिज करना मुश्किल बना दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने मई में फैसला सुनाना था कि चुनाव आयोग के पास भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 और उन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत बिहार में एसआईआर करने का अधिकार है। इसलिए, यह फैसला इस बात का समर्थन नहीं करता कि एसआईआर अपने आप में असंवैधानिक है। लेकिन असली मुद्दा अब इस बात पर आ गया है कि उस अधिकार का इस्तेमाल कैसे

किया गया, नाम हटाने को लेकर क्या सुझा उठाया अपनाए गए, और क्या अयोग के फैसले एक बहु-सदस्यीय संवैधानिक संस्था के लिए जरूरी सामूहिक प्रक्रिया के जरिए लिए गए थे? एसआइए और के साथ-साथ एक और अनुसूचित जाति संस्थागत मुद्दा भी चल रहा है। सर्वोच्च न्यायालय की एक बैठक ने गत सितंबर माह में बंटा हुआ फैसला सुनाया था कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून को चुनौती देने वाले मामलों को संविधान पीठ के पास भेजा जाना चाहिए। उस कानून ने चयन समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश की जाहद धनमन्त्री द्वारा नामित केंद्रीय मंत्री को शामिल कर दिया, जिससे चयन करने वालों में प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और नामित मंत्री शामिल हो गए। मामला अगले प्रक्रियात्मक कदम के लिए मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा गया है। कुल मिलाकर, ये विवाद चुनावी वैधता के तीन चरणों से जुड़े हैं, रैप्पी की नियुक्ति और जनता है, रैप्पी फैसले से कैसे लेते हैं और जजकी देखरेख में चुनाव हो रहा है, उसमें कौन हिस्सा ले सकता है। सड़कों पर इतके राजनीतिक नतीजे पहले ही दिखने लगे हैं। युवाओं की नेतृत्व वाली कांग्रेसक जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग



को लेकर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया है, जबकि विपक्षी राजनीतिक पार्टियाँ, सामाजिक संगठन और छात्र समूह प्रदर्शनों में शामिल हुए हैं। दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों के दौरान सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया और आगे और लामबंदी की घोषणा की गई है। चुनाव

आयोग उन आरोपों को खारिज करता है कि उसके कार्यों का उद्देश्य सत्ताधारी भाजपा को लाभ पहुंचाना था, जबकि प्रदर्शनकारी और विपक्षी दल ठीक ऐसे ही पक्षपाती परिणामों का आरोप लगाते हैं। उन विरोध प्रदर्शनों को आरोपों के सबूत के तौर पर नहीं देखा जाना

चाहिए। न ही जन आक्रोश को संवैधानिक फैसले का विकल्प माना जाना चाहिए। उनका महत्व कहीं और है। वे दिखाते हैं कि क्या होता है जब प्रशासनिक प्रक्रिया पर बहस लोकतांत्रिक वैधता के विवाद में बदल जाती है। संवैधानिक प्रणाली में अभी

भी ऐसे रास्ते हैं जिनसे विवाद को सुलझाया जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय रिकॉर्ड मांग सकता है, जांच कर सकता है कि क्या कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया था, आयोग के भीतर असहमति के कानूनी महत्व को निर्धारित कर सकता है, पात्र मतदाताओं

को गलत तरीके से बाहर किए जाने से बचा सकता है और अखंडता साबित होना प्रमाण बन सकता है। इसमें से किसी एक के लिए भी न्यायालय को संविधान को पिर से बनाने की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए उन परिस्थितियों में न्यायिक समीक्षा के कठोर अनुप्रयोगों का आवश्यकता है जिन्हें जेल विषयवस्तु को बनाया गया था। अधिक खतरा तब पैदा होगा जब आधिकारिक जवाब अपने से पहले ही आम सवैधानिक पापों पर जनता का भरोसा खतम हो जाए। नकार बार जब नागरिक यह निष्कर्ष निकाल लेते हैं कि चुनाव चुनावी प्रशासन में विफलताओं को ठीक नहीं कर सकते क्योंकि चुनाव करने वाली मशीनरी नहीं विसरनीयी जांच से परे है, तो विवादों को गोली-गोली घूमने लगता है। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब बरस को सुनझा नहीं सकती क्योंकि राजनीतिक प्रत्यक्षता वैधता ही बरस का विषय है। भारत उस बिंदु पर नहीं पहुंचा है जहां बड़े पैमाने पर विद्रोह ही एकमात्र विचार्य हो। अदालतें काम कर रही हैं, याचिकाएं प्रस्तुत हो रही हैं, चुनाव आयोजित आलोचना का जवाब दे रहा है और शांतिपूर्ण विरोध लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का हिस्सा बना हुआ है। इसलिए सवैधानिक उपयोग के खतरे हो जाने की घोषणा करना तथ्यों से जाने की बात

होगी। लेकिन मौजूदा टकराव में छिपी चेतनावीनी को कम करके नहीं आका जाना चाहिए। चुनौती लोकतन्त्र के आधिकारिक कानूनों, प्रतीकों या मतदाता डेटाबेस की तुलना में अधिक नाजुक चीज पर टिका होता है। यह इस विश्वास पर टिका होता है कि हारने वाले को लगता है कि मुकाबला ईमानदारी से आयोजित किया गया था और मतदाता को लगता है कि प्रक्रिया का अधिकार किसी अपराधशील प्रेक्षक से गायब नहीं हो सकता। यह भरोसा अब अस्थायी-तदबाध में है। इसे बहाल करने के लिए चुनौती का सामना कर रही संस्था के आश्वासनों और उसके राजनीतिक विरोधियों के आरोपों से कहीं अधिक की आवश्यकता है। इसके लिए स्वतंत्र जांच में टिकने वाले तथ्यों और राजनीतिक विभाजन के पराधीन रखने वाले सर्वैधानिक जवाबों की आवश्यकता है। सर्वेचक न्यायालय उस स्थिति में है जहां से वे जवाब सबसे विश्वसनीय रूप से सामने आ सकते हैं। जरूरी बात यह नहीं है कि एक पक्ष को दूसरे पक्ष से बचाया जाए, बल्कि यह है कि मतदाता सूची को लेकर होने वाले विवाद को इस बात के झगड़े में बदलने से रोकना जाए कि क्या लोकतांत्रिक रेपरी पर अब भी धरोहर किया जा सकता है?

संपादकीय

भावनात्मक साथ की आवश्यकता

परिवार मानव समाज की सबसे पुरानी और मजबूत संस्थाओं में से एक है। यही वह स्थान है जहाँ बच्चा प्रेम, विश्वास, जिम्मेदारी, अनुशासन और संवेदनशीलता का पहला पाठ सीखता है। परंपरागत रूप से भारतीय परिवार अपनी पीढ़ियों के बीच मजबूत संबंधों के लिए जाने जाते थे। दादा-दादी, माता-पिता और बच्चे अक्सर साथ रहते थे और जिम्मेदारियाँ साझा करते थे। बुजुर्ग केवल परिवार के सदस्य नहीं होते थे, बल्कि मार्गदर्शक, निर्णयकर्ता, कहानीकार और जीवन के अनुभवों के भंडार होते थे लेकिन आज परिवारों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। शहरीकरण, शिक्षा और रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवार, काम का बढ़ता दबाव और तकनीक पर बढ़ती निर्भरता ने पारिवारिक संबंधों को काफी बदल दिया है। इन परिवर्तनों के अनेक लाभ हैं, लेकिन इनके साथ एक गंभीर सामाजिक चिंता भी सामने आई है—बुजुर्गों की बढ़ती उपेक्षा और अकेलापन।

परंपरागत संयुक्त परिवार बुजुर्गों को साथ और अपमान प्रदान करते थे। दादा-दादी पोते-पोतियों के साथ समय बिताते, पारिवारिक निर्णयों में भाग लेते और घर के वातावरण में सक्रिय भूमिका निभाते थे। आज छोटे या एकल परिवार तेजी से सामान्य हो रहे हैं। युवा शिक्षा, नौकरी और बेहतर अवसरों के लिए बड़े शहरों या विदेशों की ओर चले जाते हैं। कई बार उनके माता-पिता अपने गांव या शहर में अकेले रह जाते हैं। शारीरिक दूरी हमेशा भावनात्मक दूरी नहीं होती, लेकिन कई बार धीरे-धीरे बातचीत और मुलाकात की कमी रिश्तों में दूरी पैदा कर देती है। फोन कॉल कई बार आमने-सामने की बातचीत का स्थान ले लेती हैं और वीडियो कॉल साथ बैठने की गमाँट का विकल्प बन जाती है।

बचपन में माता-पिता अपने बच्चों के लिए सब कुछ करते हैं। वे अपना समय, आराम और संसाधन बच्चों की परवरिश और शिक्षा में लगा देते हैं। बच्चे बीमार होते तो रातों को जागते हैं, कठिन परिस्थितियों में उनका मार्गदर्शन करते हैं और असफलताओं के समय उनका हौसला बढ़ाते हैं। लेकिन जब माता-पिता वृद्ध होने लगते हैं तो परिस्थितियाँ बदल जाती हैं। शारीरिक शक्ति कम होती है, स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताएँ बढ़ती हैं और दैनिक कार्य भी कठिन हो सकते हैं। इस अवस्था में उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि भावनात्मक साथ की भी आवश्यकता होती है। यह भावना बेहद पीछादानी होती है। जिस व्यक्ति ने दशकों तक परिवार की देखभाल की हो, उसे जब यह महसूस हो कि उसकी बातें, चिंताएँ और यादें सुनने के लिए किसी के पास समय नहीं हैं, तो यह असह्य लिए गहरा भावनात्मक आघात होता है। बुजुर्गों की उपेक्षा का अर्थ हमेशा नहीं छोड़ देना नहीं होता। कई बार उपेक्षा घर के भीतर ही चुपचाप मौजूद होती है।

राजेश पांडेय

परिवार के चुनाव आयोग की कार्यपालिका पर विवाद गहराता जा रहा है। मुख्य चुनाव आयोग ज्ञानेश्वर कुमार हर्क कीर्तन के निशाने पर हैं। उन्हें हटाने की मांग और मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआरए) की प्रक्रिया रद्द करने के लिए देश की सुप्रीम कोर्ट में नए सिरे से याचिका दायर की गई है। उनके खिलाफ लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। नीदरपेर लोक मालते में सरकार को शिक्षा मंत्री धर्मरू प्रधान का इस्तीफा कराने के लिए धमकाने से वाली कोशिश जनता पार्टी और कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने ज्ञानेश्वर कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल रहा है। इस बहस में सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति, पूर्व न्यायमूर्ति, चुनाव आयोग के पूर्व अध्यक्ष और विधि विशेषज्ञ आगे आए हैं। केवल सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी चुनाव आयोग के सत्ता खड़ी है। उसके पास आयोग के बचाव में ठोस और कारगर दलीलें नहीं हैं। फिर भी, उसके कई प्रवक्ता सक्रिय रहते हैं। समझ से परे है कि चुनाव आयोग पर चलाने और सत्ता के अभाव में उसे का बचाव भाजपा की तरफ से क्यों होता है। भाजपा का बचाव चुनाव आयोग की मुश्किलों को और बढ़ा रहा है। सदैव पैदा होता है कि चुनाव आयोग सत्ताधारी दल के झंझारे पर काम कर रहा है। वैसे भी, सरकार ने आयोग को अपनी शक्ति पर चलाने और ममानी की खुली छूट देने के कानूनी प्रावधान किए हैं। चुनाव आयोग द्वारा सर्वोच्च और कानून की मंशा के खिलाफ काम करने का मामला इतना जोर नहीं पकड़ता यदि दो चुनाव जयशंकर बीएस संधू और विवेक जोशी की आपत्तियों का ईडिटिंग एसएसप्रेष की खबर में खुलासा नहीं



है।। दोनो आयुक्तो ने दस माह में 14 बार मुख्य चुनाव आयुक्त के एकतरफ़ आदेशों पर लिखित एतराज जाहिर किया था। आयोग ने भारी विरोध के बीच एसआईआर की प्रक्रिया पूरी की। उसन बिहार, पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव निपटने का इंतज़ार नहीं किया। उस चुनाव कुछ विशेषणों ने सुझाव दिए थे कि चुनावों के बाद एसआईआर कई जा सकती है। लेकिन आयोग को तो करोड़ों वोटरों को मतदाता सूचियों से बाहर करने की जल्दी थी। एसआईआर की प्रक्रिया ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। खबरें बताती हैं कि इससे 13 करोड़ से अधिक वोटर मतदाता सूचियों से बाहर हो चुके हैं या बाहर होने की कगार पर हैं। इसमें मुत, किसी स्थान पर जा चुके वोटर शामिल हैं। माथिधारक के साथ देश का भविष्य जुड़ा है। लोकतंत्र में जन्ता अपने पसंद की सरकार वोट चुनती है। इतने लोगों का माथिधारक खूबस होना मामूली बात नहीं है। इससे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर संदेह

स्वाभाविक है। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुयान ने मामले से जुड़े मुद्दों का गहराई से विश्लेषण किया है। जस्टिस भुयान ने 4 अद्वचरक एक व्याख्यान में कहा, र्कशेई भी ऐसी प्रक्रिया जो भारतीय नागरिकों को बड़े धमने पर मताधिकार से वंचित करती है और उन्हें विना मतदान का नागरिक बनाती है, वह संविधान का उल्लंघन होगी। किसी भी तरह के टालमटोल या अन्य तर्कों से इसे सही नहीं उहरीया जा सकता है। किसी भारतीय नागरिक को वोट देने का अधिकार छीनना, उसके शरीर से आत्मा निकालने के समान होगा। यह संविधान की मूल भावना पर आघात है। उम्मीद कर सकते हैं कि सुप्रीम कोर्ट एसआईआर और चुनाव अपराधों की नियुक्तियों की प्रक्रिया पर सुनवाई करते हुए अपने सहयोगी जज के कथन पर गौर करेगा। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रोहिंजन फली नीरमन ने जस्टिस भुयान की बात को भी आगे बढ़ाया है। उन्होंने एक अन्य व्याख्यान में कहा कि आपके

पास ऐसा चुनाव आयोग नहीं हो सकता जो इस तरह काम करे या जिसका कामकाज इतना खराब हो। वे सवाल उठाते हैं, मतदाताओं को इतने बड़े पैमाने पर बाहर करने के बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक क्यों नहीं लगाई? पश्चिम बंगाल चुनाव में 90 लाख वोटों को माताधिकार से वंचित कर दिया गया। यहाँ हरैनगर के वाला आक्राइ है। वे जो देते हैं, 90 लाख वोटों का माताधिकार से वंचित होना भी सुप्रीम कोर्ट को इस पर रोक लगाने के लिए प्रेरित नहीं कर सका। सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व और एक वर्तमान न्यायाधीश की चिंता चुनाव आयोग की कार्यशैली के खिलाफ न्यायाधीशों के असंतोष को पूर्ण चीफ जस्टिस ने ही। वेसे, सुप्रीम कोर्ट के जजों की बेंच और गवर्न ने किसी का नाम लिख दिया है किश सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट या किसी अन्य कोर्ट के जज या रिटायर जज को उन मामलों में नहीं बोलना चाहिए जो किसी कोर्ट के सामने पेंडिंग हैं। जस्टिस गवर्न ने एसआईआई में हूँ

धांधली पर कुछ बोलने की जरूरत नहीं समझी है। यहां एक बात का जिक्र करना सको है। प्रभु का कारण थापर को एक इंटर्व्यू में सुनीम कोर्ट के एडवोकेट दुयेश देवे ने कहा है कि कुछ साल पहले जस्टिस नर्व ने जज लोया की मौत के मामले में उस वक्त टिप्पणी की थी और इस मामले की कोर्ट में सुनवाई हो रही थी। न्यायाधीशों का देश, समाज, संविधान, कानून के शासन से जुड़े मुद्दे पर बोलना नई बात नहीं है। अक्टूबर, 2014 के बाद कुछ अतिरिक्त में कमी आई थी। डर का माहौल लोगों को बोलने से रोकता रहा। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के बाद लोया ने पहले के समान खुलकर बोलना शुरू किया है। मीडिया का एक हिस्सा भी बेरोकटोक आवाज उठाने लगा है। वहीं सरकार की भक्ति और शोषण के खिलाफ मुद्दे खोजने में जुटे जगदीश मीडियाधर के समर पिताहाल थोड़े मदद पड़े हैं। बरहाल, मताधिकार के मूल मुद्दे पर लौटते हैं। चुनाव आयोग का मूल काम स्वतंत्र, निष्पक्ष चुनाव और वोटों का अधिकांश सुनिश्चित करना रहा है। इधर, वह अपनी मूल धूमिका से भटक कर वोटों को निकालने की मुहिम में लगा है। एसआईआर में लोगों के सामने कदम-कदम पर रूकावटें खड़ी की गई हैं। नए वोटों का पंजीयन करने वाले पत्र 60 में घूँस गया कि क्या वे, उनके माता-पिता, दादा-दादी 2002 को पिछली एसआईआर के समय मतदाता सुविधियों में शामिल थे। यह अनिवार्य शर्त कितनी कठिन है। सवाल है, कितने वोट ऐसी शर्त पूरी कर पाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी रूकावटों को कोई ध्यान नहीं दिया। उसने आयोग के हर फैसले पर महर लगा दी।

चुनाव आयोग अब भी कह रहा है कि उसने फॉर्म-6 में कोई बदलाव नहीं किया है। सिर्फ एक घोषणा जोड़ी है। उसे भी हटा दिया है। आयोग को भी सफाई दे किसी तरह की अतिरिक्त घोषणा को बदलाव भी कहें। फॉर्म-6 में केवल सरकार बदलाव कर सकती है। फिर आयोग ने ऐसा क्यों किया है। दरअसल उसे पूरा यकीन है कि वह कुछ भी कर सकता और सुप्रीम कोर्ट उसके साथ नहीं है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने अच्छे संकेत दिए हैं। 5 अक्टूबर को एक याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि हमने फॉर्म-6 बदलने की मंजूरी नहीं दी है। आयोग के एकातर फैसले रह होंगे। कोर्ट ने यह भी कहा कि सीईसी की कानून के तहत मिले संरक्षण की जांच की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों में चुनाव आयोग के अधिकारों की रक्षा की है और उसका विस्तार किया गया है। वोटरों के अधिकारों को देने ने इतना समर्थन नहीं किया है। 13 कोर्टों ने लोगों का मताधिकार खतम किए जाने और उसके खिलाफ भड़के विरोध का दबाव दिया जारी रखा है तो चुनाव आयोग की मनमानी पर अंकुश सुनवाई है। वैसे, सरकार से पीछे हटने या चुनाव आयोग पर आत्यंतिक दबाव डालने की उम्मीद कम है। यदि ऐसा ही करना होता तो सरकार मुख्य चुनाव अधिकारी असीमित अधिकार देने के कानून नहीं बनाती। 2023 में पास कानून की धारा 16 में प्रावधान है कि कोई भी अदालत ऐसे किसी व्यक्ति के खिलाफ सफाई या अपराधिक कार्यवाही स्वीकार नहीं करेगी जो मुख्य चुनाव अधिकारी या चुनाव आयुक्त रहा है। अब भला ऐसी सुरक्षा किसी संस्था में बैठे लोगों के लिए जमकर मनमानी करने का रास्ता क्यों

एक ही मुद्दे पर दो समानांतर मोर्चे

नुवान चोरी के खिलाफ इंडिया गवर्नर का आंदोलन गुरुवार को और तेज हो गया। मौलवार और बुधवार के बाद गुरुवार को भी इंडिया गवर्नर के तमाम सांसद फिर से एकत्र हुए। प्रतिक्रिया जून खंडों ने एक बार फिर सभी सांसदों और कांग्रेस नेताओं को लंच पर बुलाया। इस बार कर्नाट प्लेस के मोएट्स में सारा इंडिया ब्लॉक एकत्र हुआ तो अर्जुन शाह ने पुलिस और सुरक्षा बलों का भारी जमावड़ा वहीं रेस्टोरेंट के बाहर लगा दिया। निर्विवादता का एक जगह जमा होना और साथ खाना खाना क्या किसी खतरे का संकेत है, जिससे निपटने के लिए पुलिस बुला ली गई। अभी ठंड का मौसम आते ही कोई सांसद एक को रोटी और साग की दावत अपने घर पर रखेगा, कोई सरकार सकातों पर दही-चूड़ा के लिए सभी सांसदों को न्यौता देगा, तो क्या इन सभी के बंगलों के बाहर पुलिस तैनात होना ही क्योंकि अब तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ, लेकिन अब मोदी-शाह का डर इतना बढ़ चुका है कि जहाँ इंडिया के सांसदों के दरवाजे वहीं पुलिस तैनात करवा दी। यह डर स्वाभाविक भी है, क्योंकि चुनावों में धांधली करने के लिए एसआइआर का जो विपक्ष कुचक चलाया गया है, उसकी सच्चाई सामने आ रही है। विपक्ष के नेता मुख्या चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिलने का अवक चाहते हैं, जो उन्हें नहीं मिल रहा और इस बात पर विरोध करने की इजाजत भी नहीं मिली है। गुरुवार को एक बार फिर तमाम विपक्षी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में राजधानी की तरफ बढ़े और इन पक्षियों के लिखे जाने तक एक बार फिर उन्हें रोकने की कोशिशें जारी हैं। राजधानी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लगा दी गई है, यानी भीड़ जमा होने से रोकने का एलान हो रहा है। निर्विवाद सांसदों को जब भीड़ कहा जाने लगे तो यह समझना कठिन नहीं है कि लोकतंत्र की क्या गढ़ बनाई जा रही है। वैसे जिस तरह से मोदी सरकार ने ज्ञानेश कुमार के



खिलाफउठी आवाज को दबाने के लिए दमनकारी तरीके अपनाए हैं, उस पर गुरुवार को कांग्रेस ने देश भर में विरोध प्रदर्शन और तेज कर दिया। के सी वेणुगोपाल ने सात तारीख को ही राज्य, जिला और ब्लॉकधंडल की कांग्रेस इकाइयों को पत्र लिखकर

कहा था कि जो सलूक मल्लिकार्जुन खड्गे, राहुल गांधी समेत तमाम सांसदों के साथ किया गया, उसके विरोध के लिए आठ अक्टूबर को काला दिवस मनाया जाए। कांग्रेस में राष्ट्रीय स्तर पर तो लगातार हलचल देखने मिलती है, लेकिन जिला और

मंडल स्तर की इकाइयों में स्थानीय नेताओं की सक्रियता से पार्टी मजबूत दिखती है। बीते 12 सालों में देश के कई हिस्सों में कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ता इसी वजह से हतोत्साहित थे कि उन्हें दिशा देने वाले नेता संगठन पर ध्यान नहीं देते थे। कई जगहों पर कांग्रेस इसी वजह से मजबूत नहीं हो पाई क्योंकि आपसी गुटबाजी रही। बीच में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस कमजोरी को दूर करने के लिए लगातार बड़ा इकाइयों के साथ बैठकें कीं, संसद को नए सिरे से मजबूत बनाने के लिए 2025 में काफ़ी प्रयास भी किए गए। लेकिन उनका उठना अस्पर नहीं हुआ, जितना अब हो रहा है। क्योंकि कार्यकर्ता भी देख रहे हैं कि राहुल गांधी के साथ-साथ समूचा विश्व सड़क पर उतर आया है। यह संघर्ष चुनावों में हार की निराशा को दूर करने में अक्सरकरी साबित हो रहा है। हालांकि इस संघर्ष का नतीजा कम निकलेगा, यह अनुमान लगाना थोड़ा मुश्किल है। क्योंकि एक ही मुद्दे यानी एसआईआई में गड़बड़ी और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे पर दो समानांतर आंदोलन चल रहे हैं। इंडिया गवर्नमेंस के अलावा कांग्रेस जनता पार्टी ने भी 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। इससे पहले आठ अक्टूबर को बंगलुरु में उसने प्रदर्शन किया। जिसमें अभिनेता और समाजिक कार्यकर्ता प्रकाश राज और उनके साथ जर्मनी से आए यूट्यूबर ध्रुव राठौ भी शामिल हुए। अब ये सभी लोग 10 अक्टूबर को भी जंतर-मंतर पर आएंगे। वामपंथी खन्न संगठन नेहा बोरा ने भी 10 अक्टूबर के आंदोलन के लिए सभी से जुटने का आह्वान किया है। अभी 2 अक्टूबर को ही योगेंद्र यादव, प्रसांत भूषण, कपिल सिब्बल, मनोज झा आदि के साथ भी नेहा बोरा ने वोट चोरी के खिलाफ प्रदर्शन किया था। मुंबई में पेपर लीक के घोटाले की घरे भी दो अलग-अलग मोर्चों खोले गए थे। राहुल गांधी तो छात्रों की गुंज कर ही रहे हैं, उधर सीजेपी

मे भी आंदोलन किया था। हालांकि धर्मन्द्र प्रधान का इस्तीफा
हो गया तो दोनों को ही सम्प्रदाय मिली। लेकिन इस आंदोलन
में भी नेहा बोरामें चंचल को नीचे अनशनरत थीं और उन्हें राहुल
गांधी ने खास तौर पर बुलाकर मुलाकात की थी, न्याय के लिए
संघर्ष में साथ देने का वादा किया था। मगर अब नेहा बोरामें
वोट चोरी के खिलाफ 10 तारीख को तो एकजुट होने की बात
रहेज, लेकिन इंडिया गठबंधन को तो मोर्चा खोला है, जिस तरह
कोई प्रदर्शन हो रहे हैं, उसमें उन्होंने साथ आने क्यों नहीं कहा,
यह विचारणीय है। छह तारीख को नेहा ने एक पोस्ट भी लिखी
कि कुछ जन-प्रतिनिधि अपना काम कर रहे हैं और लोकतंत्र
को रक्षा कर रहे हैं, जबकि दूसरे अपना दिन गिने में लगे हैं... इस
पोस्ट के साथ राहुल गांधी का वीडियो उन्होंने लगाया है जिसमें
पुलिस उन्हें जबरन पकड़ ले जा रही है। नेहा अगर इसमें
कुछ जनप्रतिनिधि को जगह सिधे राहुल गांधी का नाम लिखती
तो उनकी पोस्ट का महत्व कुछ कम नहीं हो जाता। लेकिन ऐसा
लगा रहा है कि अब भी राहुल गांधी को निर्विवाद नेता मानने
में कोई हिचक दिखाई जा रही है, या कोई झिझक है, जो ऐसा
करने से रोक रही है। राहुल गांधी या इंडिया का मौजूदा सरकार
किसी नेहा बोरामें, ध्वज राठौड़, प्रकाश राज या अभिजित दिपके
के प्रमाणपत्र या समर्थन का मोहताब नहीं है। इंडिया के निर्वाचित
सांसदों ने जिस तरह सड़क को लड़ाई छेड़ी है, वह सरहनीय
नहीं है। लेकिन ससाय यही है कि जब मंत्री लोक ही हैं तो फिर
सबिल सोसायटी खुलकर कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के साथ
क्यों नहीं आ रही। क्या उसने जो समानांतर मोर्चा खोला है,
उसका उद्देश्य यही है कि आंदोलन होता तो दिखे लेकिन परिणाम
वही आए जो मौजूदा सत्ता के हक में है। आखिर ये तमाम लोग
इतने मासूम तो नहीं हैं कि इन्हें बंट कर लड़ने और मिल कर
लड़ने का फर्क ही न पता हो।

सेवा संकल्प अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं व मरीजों को वितरित किए फल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता **महेवा।** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महेवा में शुक्रवार को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार के लिए पहुंचीं गर्भवती महिलाओं एवं अन्य मरीजों को स्वास्थ्यवर्धक फल वितरित किए गए।कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएचसी अधीक्षक डॉ. अभिषेक वर्मा एवं डॉ. अंकिता वर्मा ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संतुलित एवं पौष्टिक आहार अच्छे स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है। विशेषकर गर्भवती महिलाओं को अपने खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि मां और शिशु दोनों का स्वास्थ्य बेहतर बना रहे। उन्होंने मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए सभी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों एवं गर्भवती महिलाओं को पोषण के प्रति जागरूक करना तथा उनके स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना रहा।इस मौके पर स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी विजय, धर्मेन्द्र, शंकर और विक्रमी तिवारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

दिलीपनगर मड़ैया में पागल कुते का हमला, 71 वर्षीय बुजुर्ग घायल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता महेवा। विकास खंड महेवा क्षेत्र की ग्राम पंचायत दिलीपनगर के मजरा दिलीपनगर मड़ैया में शुक्रवार सुबह पागल कुते के हमले से 71 वर्षीय बुजुर्ग घायल हो गए। घटना सुबह करीब सात बजे की बताई जा रही है। घायल बुजुर्ग की पहचान केदारनाथ निवासी दिलीपनगर मड़ैया के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, केदारनाथ शुक्रवार सुबह शौच के लिए खेतों की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक पागल कुते ने उन पर अचानक हमला कर दिया। बुजुर्ग ने कुते को भगाने के लिए बार-बार प्रयास किया, लेकिन इसके बाजूजुड़ कुते ने उन पर हमला जारी रखा। कुते के हमले में केदारनाथ घायल हो गए।घटना के बाद बुजुर्ग उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार किया गया। सुबह के समय हुई इस घटना से क्षेत्र में आवारा और आक्रामक कुतों को लेकर चिंता बढ़ गई है।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का कर्मचारियों ने उठाया लाभ



लोक हस्तक्षेप संवाददाता गुरुग्राम। गुडगांव इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (जीआईए) द्वारा मेवांता फाउंडेशन एवं नेशनल ह्यूमैन वेलफेयर कार्डसिल के सहयोग से जीआईए हाउस में महिलाओं और श्रमिकों के लिए एक निःशुल्क मेडिकल हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के कर्मचारियों, श्रमिकों और उद्योग प्रतिनिधियों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ विशेष चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। डॉक्टरों द्वारा सभी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए उचित चिकित्सकीय सलाह दी गई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्र में दिन-रात मेहनत करने वाले कर्मचारियों और श्रमिकों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समय पर उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य जांच सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराना था। जीआईए के अध्यक्ष सुमित राव ने कहा कि इस प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के कल्याण के लिए बेहद उपयोगी हैं। जीआईए के महासचिव संजीव बंसल ने मेवांता फाउंडेशन और नेशनल ह्यूमैन वेलफेयर कार्डसिल के संस्थापक गुंजन मेहता का आधार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत और स्वास्थ्य संस्थाओं के आपसी सहयोग से आयोजित होने वाले ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम आगे भी जारी रहने चाहिए, ताकि औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके।

गुलाबी टंड की दस्तक, अगले 48 घंटे में हल्की बारिश के आसारमौसम विभाग बोला– और गिरेगा पारा

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण दो दिन और बूंदबांदी और हल्की बारिश के आसार हैं। पुरवा और पछुवा की टकराहत ने अगर जोर पकड़ा, तो घने बादल बनेंगे और बारिश होगी। इसके साथ ही इसे टंड की शुरुआत माना जा रहा है। गुरुवार को अधिकतम तापमान सामान्य ओसत 33.6 से तीन डिग्री और रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से 20.6 डिग्री से एक डिग्री कम हो गया। सीएसए के मौसम विभाग के तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ से 24 से 48 घंटों में कानपुर के तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट आ सकती है। इससे रात और सुबह के समय गुलाबी टंड का अहसास बढ़ जाएगा। पश्चिमी विक्षोभ से भारी बारिश तो नहीं होगी, लेकिन यह कानपुर परिक्षेत्र में सर्दियों की शुरुआत के लिए अनुकूल माहौल तैयार कर देगा।

55 साल में 17 बार अक्तूबर रहा सूखा: लगातार छह साल से अक्टूबर में बारिश हो रही है, लेकिन 55 साल में 17 बार अक्टूबर में शून्य बारिश भी रिकॉर्ड की गई है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि्वि के मौसम विभाग का मानना है कि यह जलवायु परिवर्तन का प्रभाव है। वर्षा चक्र आगे की तरफ खिसक रहा है। **1985 में हुई थी सबसे अधिक बारिश 367.4 मिमी:** इस बार अक्टूबर में अभी तक 20.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2021 से अक्टूबर में लगातार बारिश हो रही है। वर्ष 2020 में अक्टूबर में शून्य बारिश रिकॉर्ड की गई थी। अक्टूबर के महीने में सबसे अधिक 367.4 मिमी बारिश वर्ष 1985 में हुई है।

जलवायु परिवर्तन का धीरे-धीरे दिखने लगा है असर: मौसम विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि जलवायु परिवर्तन का असर धीरे-धीरे दिखने लगा है। बारिश तो उतनी ही हो रही है, लेकिन जलवायु परिवर्तन का असर मौसम चक्र पर पड़ा है। एक स्थान पर एक समय में इकट्ठी बारिश हो जाती है।

इटावा/महेवा,गुरुग्राम, उज्जनाव

न्यू वेंचर्स एवं कोलैबोरेशन विषय पर आयोजित संगोष्ठी में एमएसएमई के विकास पर हुआ मंथन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । गुडगांव इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (जीआईए) एवं नेशनल ह्यूमन वेलफेयर कार्डसिल के संयुक्त तत्वावधान में जीआईए हाउस, गुरुग्राम में ‘न्यू वेंचर्स एवं कोलैबोरेशन’ विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गुरुग्राम के औद्योगिक समुदाय को नए व्यावसायिक अवसरों से जोड़ना, आपसी सहयोग को बढ़ावा देना और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विस्तार की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करना था। कार्यक्रम में जिला एमएसएमई केंद्र से राजन धीमान, सिडबी के डीजीएम व जीजीबीओ के इंचार्ज गौतम कुमार, प्रबंधक शिल्पा सोलंकी, पीएचडीसीसीआई की डिप्टी सेक्रेटरी प्रियामुंडा सिंह और फिस्मे के संयुक्त सचिव मयंक गोड़ सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि

डीआईजी यमुना प्रसाद ने व्यापारियों के साथ की बैठक, कानून व्यवस्था और यातायात पर हुई चर्चा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

इटावा। पुलिस लाइन सभागार में शुक्रवार को डीआईजी रेंज यमुना प्रसाद ने जनपद के प्रमुख व्यापारियों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था, व्यापारियों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव, एसपी सिटी बबिता सिंह, एसपी ग्रामीण श्रीश चन्द्र सहित सभी सर्किल ऑफिसर मौजूद रहे।

बैठक में उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सर्वेश सिंह चौहान के नेतृत्व में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस दौरान व्यापारियों की सुरक्षा, बाजारों में कानून व्यवस्था और यातायात से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक का उद्देश्य पुलिस और व्यापारियों के बीच

कूड़े का ढेर ,गंदगी से राहगीरों और स्थानीय निवासियों को दिक्कत

कानपुर,एजेंसी। कानपुर के वार्ड नंबर 34 स्थित बर्ी-4 में पुलिया पर कूड़े का ढेर लगा हुआ है। इससे आसपास के लोगों को काफी परेशानी हो रही है। यह पुलिया लोगों के आने-जाने का मुख्य रास्ता है। यहां गंदगी फैलने से राहगीरों को निकलने में दिक्कत होती है, वहीं स्थानीय निवासियों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय क्षेत्र में कूड़े का समय पर उठान नहीं हो रहा है, जिससे सफाई व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

रुरल इंटर कालेज महेवा के जिला स्तरीय खेलों में शानदार प्रदर्शन जारी



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

महेवा। स्थानीय लोकमान्य रुरल इंटर कालेज महेवा के चार छात्रों का जिला स्तरीय खेलों में शानदार प्रदर्शन जारी रहा जिसमें कुल चार छात्र मंडल स्तरीय खेलों के लिए चयनित हुए वही कालेज को दो छात्राओं का चयन क्रिकेट में राज्य स्तरीय टीम में हुआ छात्रों के श्रेष्ठ प्रदर्शन पर कालेज प्रबंध समिति सहित अन्य स्टाफ ने हर्ष व्यक्त किया है।

विदित हो कि जंहा जिला मुख्यालय इटावा स्थित ज्योतिबा फुले स्पोर्ट्स स्टेडियम जिला

विद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कालेज के

तीन छात्रों एवं एक छात्रा ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए मंडल स्तरीय खेलों में चयन हुआ जो कि मण्डलीय खेलों के लिए कानपुर देहात स्थित माती स्टेडियम में प्रतिभाग करेंगे । कालेज के खेल प्रशिक्षक ब्रजेश रावत ने बताया कि जिला स्तरीय खेलों में सब जूनियर वर्ग में कार्तिक एवं हसनैन ने तथा जूनियर वर्ग में निधि यादव व आशीष का चयन हुआ है इन चारों ने अपने अपने वर्ग में दो स्वर्ण तथा एक रजत पदक प्राप्त किया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

वही क्रिकेट खेल में कानपुर नगर स्थित एल

पी इंटर कालेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता

में मंडल स्तरीय खेलों में दो छात्राओं नव्या एवं

दीपिका ने शानदार प्रर्शर्शन करते हुए राज्य स्तरीय

खेल में स्थान पाया ।

वही अन्य खिलाड़ियों में सम्राट ,सलोनी

,प्रांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया तथा अभय यादव ,ऋषि यादव ,प्रांशु

,कार्तिक ने एक इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं रिले रेस में जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में

कालेज के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान पाया ।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले न्यूजीलैंड के चैपमैन, फाउल्क्स बाहर हुए

ऑकलैंड,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ सीरीज से पहले ही मेजबान न्यूजीलैंड को दोहरा झटका लगा है। 22 अक्टूबर से भारत के खिलाफ शुरू होने जा रही पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला से पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट के दो प्रमुख खिलाड़ी अनुभवी बल्लेबाज मार्क चैपमैन और तेज गेंदबाज जैक फाउल्क्स, चोटिल होने के कारण पूरी सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। यह न्यूजीलैंड के लिए एक बड़ा नुकसान है।

गौरतब है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज चैपमैन को पिछले महिने यूरोपीय टी-20 लीग के दौरान बाएं पांव की मांसपेशियों में खिंचाव आ



लार्कसन और टिकनर शामिल

गया था और वह अब तक पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं। वहीं, युवा तेज गेंदबाज फाउल्क्स हाल ही में कैंसरवरी में एक अभ्यास सत्र के दौरान अपने दाहिने कूल्हे में चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गये थे। इन प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति को देखते हुए, न्यूजीलैंड क्रिकेट ने

ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को टीम में शामिल किया है। क्लार्कसन और टिकनर दोनों ही अपनी भूमिकाओं में विशेषज्ञता रखते हैं और टीम को संतुलन प्रदान करने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने इस स्थिति पर अपनी चिंता

व्यक्त की और कहा, मार्क और जैक के चोटिल होने से मुझे बहुत दुःख है और मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। हालांकि, हमें खुशी है कि हम जोश और ब्लेयर जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की विशेषज्ञता का लाभ उठा सकते हैं, जो इस महत्वपूर्ण श्रृंखला में खेलने के लिए बेहद उत्साहित हैं। यह पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में पहले मुकाबले के साथ शुरू होगी और 1 नवंबर को हैमिल्टन में आखिरी मैच के साथ समाप्त होगी। चैपमैन ने अब तक 113 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और उनके बारे में उम्मीद जताई जा रही है कि वह भारत के खिलाफ आगामी वनडे श्रृंखला तक फिट

होकर वापसी कर सकते हैं। हालांकि, फाउल्क्स की वापसी के लिए कोई निश्चित समयसीमा अभी तक निर्धारित नहीं की गई है, जिससे टीम प्रबंधन चिंतित है। इस महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की संशोधित टी-20 टीम में कप्तान मिचेल सैंटरन के साथ फिन एलन, माइकल ब्रैसवेल, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, बेवन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर शामिल हैं। टीम को उम्मीद है कि इन चोटों के बावजूद, वे एक मजबूत प्रदर्शन करेंगे और भारत को कड़ी चुनौती देंगे।

गेंदबाजी आक्रामक में अनुभव की कमी के कारण भुवनेश्वर की वापसी हुई : कोटक

मुम्बई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम में तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल के बाद वापसी को लेकर क्रिकेट जगत में चर्चाएं तेज हो गयी हैं। भूची नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद एक बार फिर 22 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैदान पर वापसी करेंगे। इसी को लेकर भारतीय टीम के

बल्लेबाजी कोच सितार्शु कोटक ने बड़ा खुलासा किया है।

कोटक ने कहा कि टीम की मौजूदा गेंदबाजी लाइन-अप में अनुभव की कमी महसूस होने के कारण ही भुवनेश्वर को वापस टीम में बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि इस समय जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी गेंदबाज बहुत अधिक क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं, और उनकी अनुपस्थिति में टीम में कई सारे युवा गेंदबाज शामिल हैं। कोटक ने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर केवल युवा खिलाड़ियों पर सारी जिम्मेदारी नहीं



कर रहे हैं पर एक निश्चित समय पर, विशेष रूप से बड़े मुकाबलों में, टीम को अनुभवी खिलाड़ियों की स्थिरता और मार्गदर्शन की सख्त आवश्यकता होती है। उन्होंने यह भी बताया कि यह अनुभव ही एक प्रमुख पहलू हो सकता है, जिसकी वजह से भुवनेश्वर को टीम में वापस लाया गया है। इसके अलावा, भुवनेश्वर ने पिछले दो ईंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन में भी अपनी फॉर्म का प्रदर्शन करते हुए कुल 45 विकेट लिए हैं, जो उनकी मौजूदा लय और विकेट लेने की क्षमता

का प्रमाण है। उनकी स्विंग गेंदबाजी और डेथ ओवरों का अनुभव टीम के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। इसके साथ ही अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की संभावित वापसी पर भी सितार्शु कोटक ने अपनी राय दी। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा, मैं चयन समिति में नहीं हूँ, इसलिए उनकी वापसी पर मैं कुछ नहीं कह सकता हूँ पर शमी भी मौजूदा समय में बहुत अच्छा खेल रहे हैं, अगर चयनकर्ताओं को लगता है कि वह अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और टीम में उनकी आवश्यकता है तो निश्चित रूप से उनके नाम पर भी विचार होगा।

यशस्वी अब विकेटकीपिंग का भी कर रहे अभ्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आकल बल्लेबाजी और लेग-स्पिन के अलावा विकेटकीपिंग का भी अभ्यास कर रहे हैं, जिससे सभी प्रभावित हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर तेजी से वायरल हुई, जिसमें यशस्वी विकेटकीपिंग का अभ्यास करते दिखे। इसके बाद से ही सभी हैरान हैं कि वह अब क्या करना चाहते हैं। वहीं मुंबई के कप्तान सिद्धेश लाड ने इस रहस्य के बारे में बताया है। लाड ने खुलासा किया कि, यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजी और लेग-स्पिन के अतिरिक्त एक बैक-अप के तौर पर



विकेटकीपिंग का अभ्यास कर रहे हैं। लाड ने इस कदम के पीछे की वजह भी स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि यशस्वी को लगता है कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा के इस दौर में उन्हें अपने खेल में कुछ और कौशल जोड़ने की जरूरत है। कप्तान ने आगे कहा, मुझे उनके इरादों के बारे में पक्का नहीं पता, लेकिन अभी वह बहुत अभ्यास कर रहे हैं और मुझे भरोसा है कि अगर वह अभ्यास करते रहेंगे, तो उन्हें इसकी आदत हो जाएगी। लाड के इस बयान से साफ है कि यशस्वी क्रिकेट के हर प्रारूप में अपनी उपयोगिता बढ़ाने के लिए यह अतिरिक्त कौशल सीख रहे हैं। गौरतलब है कि भारतीय टीम में हर जगह कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए, एक खिलाड़ी का बहु-कौशल वाला होना निश्चित रूप से उसकी टीम में जगह पक्की करने में सहायक हो सकता है। अभी तक यशस्वी को सीमित ओवरों के क्रिकेट में बहुत ज्यादा मौके नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने अपना आखिरी एकदिवसीय मैच जून में अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था, जहां विराट कोहली के रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल होकर उन्होंने शानदार 110 रन की शतकीय पारी खेली थी। इस प्रदर्शन ने उनकी बल्लेबाजी क्षमता को एक बार फिर साबित किया, लेकिन अब संभावना जताई जा रही है कि अपनी ऑलराउंड क्षमताओं को और निखारने के लिए यशस्वी अब विकेटकीपिंग को भी अपने हुनर में जोड़ना चाहते हैं, ताकि वह टीम के लिए एक अधिक बहुमुखी विकल्प बन सकें।

कुलदीप बन सकते हैं 100 विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज

रांची, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव की नजरें यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 में अपने 100 विकेट पूरे करने पर रहेंगी। कुलदीप अभी अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 विकेटों का शतक पूरा करने से मात्र तीन विकेट दूर हैं और इसके साथ ही यहां तक पहुंचने वाले भारत के पांचवें गेंदबाज बन सकते हैं। लखनऊ में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में कुलदीप ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपने चार ओवर में 33 रन देकर दो विकेट लिए, जिसके साथ ही उनके टी20 विकेटों की संख्या 97 तक पहुंच गई है। यदि रांची टी20 में कुलदीप तीन और विकेट हासिल करने में सफल रहते हैं, तो वह 100 टी20 विकेट पूरे करने वाले भारतीय टीम के पांचवें गेंदबाज बन जाएंगे। कुलदीप ने अब तक 55 मैचों की 53 पारियों में ये 97 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार

पांच विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है। गौरतलब है भारत की तरफ से अंतरराष्ट्रीय टी20 में 100 या उससे अधिक विकेट लेने की उपलब्धि अब तक चार भारतीय गेंदबाज हासिल कर चुके हैं। इनमें अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल शामिल हैं। कुलदीप अगर यह आंकड़ा छूते हैं, तो वह इस विशिष्ट क्लब के पांचवें सदस्य होंगे। आंकड़ों पर गौर करें तो, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भारत के लिए टी20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 95 मैचों की 92 पारियों में गेंदबाजी करते हुए कुल 141 विकेट लिए हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं, जिन्होंने 100 मैचों में 126 विकेट अपने नाम किए हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या 138 मैचों में 114 विकेटों के साथ तीसरे और बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल 108 मैचों में 111 विकेटों के साथ चौथे पायदान पर हैं। कुलदीप के टीक बाद, टेक स्पिनर युजवेंद्र चहल का नंबर आता है, जिन्होंने 80 मैचों में 96 विकेट हासिल किए हैं और वह भी इस ऐतिहासिक क्लब में शामिल होने के करीब हैं। वहीं, अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भी 87 मैचों में 90 विकेट लेकर सातवें सबसे सफल भारतीय गेंदबाज हैं।

रूस के खिलाफ महिला फुटबॉल टीम ने काफी अच्छा खेला : कोच छेत्री

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने कहा है कि उनकी टीम को अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में भले ही रूस से 0-4 से हार का सामना करना पड़ा है पर उनकी टीम को इससे काफी कुछ सीखने को मिला है। कोच के अनुसार टीम ने काफी अच्छा खेल दिखाया और उसे किसी भी प्रकार से खारिज नहीं किया जा सकता है। मैच के बाद छेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि इस मैच की सकारात्मक बात ये है कि एक युवा टीम होने के बावजूद, हमने काफी अच्छा खेल दिखाया। हम दबाव बनाने में पीछे नहीं रहे। हम निडर होकर खेले। हम वही करने की कोशिश करते हैं जो हमारे नियंत्रण में होता है। मुख्य कोच ने टीम के 25-दिन के शिविर के दौरान खिलाड़ियों द्वारा दिखाए गए समर्पण की भी प्रशंसा की



है। साथ ही कहा कि टीम ने अपनी ओर से काफी प्रयास किये। उन्होंने कहा, सबसे जरूरी बात यह है कि हमने अपना खेल दिखाया और हार नहीं मानी। मेरे लिए यह सबसे अच्छी बात है।

छेत्री ने कहा कि जून से प्रतिस्पर्धी फुटबॉल की कमी रूसी टीम के खिलाफ चुनौतीपूर्ण साबित हुई। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अनुभव युवा खिलाड़ियों के लिए कीमती होगा क्योंकि वे इंटरनेशनल लेवल पर आगे बढ़ रहे हैं। 11 अक्टूबर को होने वाले दूसरे फ्रेंडली मैच को देखते हुए, छेत्री ने बताया कि टीम लंबे समय तक अपनी तेजी बनाए रखने की अपनी काबिलियत को बेहतर बनाने पर काम करेगी।

रणजी ट्रॉफी के लिए जडेजा सौराष्ट्र टीम में शामिल



राजकोट, एजेंसी। अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा रणजी ट्रॉफी 2026/27 सत्र के लिए सौराष्ट्र टीम से खेलेंगे। जडेजा को छत्तीसगढ़ के खिलाफ होने वाले के पहले मैच के लिए सौराष्ट्र की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। इस टीम का नेतृत्व अनुभवी तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट करेंगे। रणजी ट्रॉफी में खेलने से जडेजा को टेस्ट सीरीज से पहले लय हासिल करने का अवसर मिलेगा। रणजी ट्रॉफी मुकाबले 11 अक्टूबर से शुरू हो रहे हैं। इसमें गत चैंपियन सौराष्ट्र को आंध्र, असम, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, कर्नाटक, पंजाब और त्रिपुरा के साथ प्लेऑट ग्रुप बी में रखा गया है।

वहीं उनादकट की कप्तान में सौराष्ट्र अपने अभियान की शुरुआत राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में छत्तीसगढ़ के खिलाफ करेगा। सौराष्ट्र की टीम में पिछले सत्रन की टीम के 14 खिलाड़ी शामिल हैं। उनादकट ससेक्स के लिए शानदार रहे हैं। उन्होंने सात मैचों में 22.21 की औसत से 28 विकेट लिए हैं। सौराष्ट्र 2025/26 रणजी

ट्रॉफी के दौरान ग्रुप स्टेज में जल्दी बाहर हो गया था और इस साल एक मजबूत कैपेन के लिए बेताब है। चयन समिति ने दो नए खिलाड़ियों तेज गेंदबाज नील पांड्या और ऑलराउंडर अर्थ यादव-को टीम में शामिल किया है। हार्दिक देसाई विकेटकीपिंग करते रहेंगे, जबकि बल्लेबाज इकाई में अनुभवी अर्पित वासवदा, चिराग जानी और जय गोहिल होंगे।

उनादकट, लेफ्ट-आर्म पेसर चेतन सकारिया के साथ तेज गेंदबाजी की कप्तान संभालेंगे। अनुभवी लेफ्ट-आर्म स्पिनर धर्मदेसिंह जडेजा टीम से बाहर हो गए हैं। वह छत्तीसगढ़ की तरफ से खेलेंगे। इसका मतलब है कि इस सीजन में स्पिन बॉलिंग की जिम्मेदारी पार्थ भुट पर होगी।

सौराष्ट्र टीम: जयदेव उनादकट (कप्तान), रवींद्र जडेजा, हार्दिक देसाई (विकेटकीपर), अर्पित वासवदा, चिराग जानी, प्रेक मांकड़, जय गोहिल, चेतन सकारिया, अंकुर पंवार, समर गज्जर, पार्थ भुट, विश्वराजसिंह जडेजा, हेतविक कोटक, नील पांड्या, अर्थ यादव, तरुण गोहिल।

भारतीय मूल के न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज जीत रावल ने संन्यास लिया

ऑकलैंड, एजेंसी। भारतीय मूल के न्यूजीलैंड के अनुभवी सलामी बल्लेबाज जीत रावल ने पेशेवर क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। इससे जीत के एक दशक से अधिक समय तक चले करियर का समापन हो गया है। 38 साल के जीत ने साल 2016 से 2020 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 24 टेस्ट मैच खेले हैं। वह अब चार्टर्ड आकाउंटेंट के रूप में काम करेंगे। भारत में जन्मे रावल, जो अहमदाबाद के एक गुजराती परिवार से संबंध रखते हैं। रावल ने नवंबर 2016 में पाकिस्तान के खिलाफ क्राइस्टचर्च में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया और जनवरी 2020 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में, उन्होंने 30.07 की औसत से 1143 रन बनाए, जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल थे। हालांकि उनका अंतिम टेस्ट जनवरी 2020 में था, वह उस दौर की न्यूजीलैंड टीम के अभिन्न अंग थे जिसने बाद में जून 2021 में भारत को हराकर पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीता था।

अपने संन्यास की घोषणा करते हुए जीत काफी भावुक दिखे। नार्दन डिस्ट्रिक्ट्स क्रिकेट एसोसिएशन से बात



करते हुए उन्होंने कहा, मैंने पूरे सम्मान के साथ यह फैसला किया है। मुझे शांति और बहुत संतुष्टि महसूस हो रही है। न्यूजीलैंड की तरफ से खेलना मेरे बचपन का सपना था। उन्होंने आगे बताया, यह केवल मेरा सपना ही नहीं था, बल्कि मेरे पिता का भी सपना था। हमें एक मौका दिया और वह

सीनियर मेन नेशनल हॉकी चैंपियनशिप आज से झांसी में शुरू होगी

झांसी, एजेंसी। सीनियर राष्ट्रीय पुरुष हॉकी चैंपियनशिप 10 अक्टूबर से उत्तर प्रदेश के झांसी में शुरू होगी। इसमें तीन डिवीजनों में 29 टीमें उतरेगी। येटूनमिंट 21 अक्टूबर तक चलेगा। इस बार 2026 सत्र में डिवीजन ए, डिवीजन बी और डिवीजन सी होंगे, जिसमें टीमों को 2025 सत्र की रैंकिंग के अनुसार ग्रुप किया जाएगा। यह चैंपियनशिप देश भर की टीमों को अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान के लिए मुकाबला करने का एक मंच देगी। डिवीजन ए में 12 टीमें होंगी, जिन्हें तीन-तीन टीमों के चार पूल में बांटा गया है। पूल ए में हॉकी पंजाब, हॉकी यूनित ऑफ तमिलनाडु और हॉकी बंगाल शामिल हैं, जबकि पूल बी में हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी पुडुचेरी शामिल हैं। पूल सी में उत्तर प्रदेश हॉकी, हॉकी कर्नाटक और हॉकी चंडीगढ़ शामिल हैं, जबकि पूल टी में मणिपुर हॉकी, हॉकी हरियाणा और दिल्ली हॉकी शामिल हैं। पूल के बाद 18 अक्टूबर को क्वार्टर फाइनल होंगे, जिसमें हर पूल से टॉप दो टीमें नॉकआउट स्टैंड में जाएंगी। सेमीफाइनल 19 अक्टूबर को होंगे, उसके बाद तीसरे स्थान का मैच और फाइनल 21 अक्टूबर को होगा। डिवीजन बी में दो पूलों में 10 टीमें मुकाबला करेंगी। पूल ए में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, असम हॉकी, केरल हॉकी, हॉकी उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ हॉकी शामिल हैं। पूल बी में हॉकी झारखंड, तेलंगाना हॉकी, गोवा हॉकी, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी और हॉकी अरुणाचल शामिल हैं।

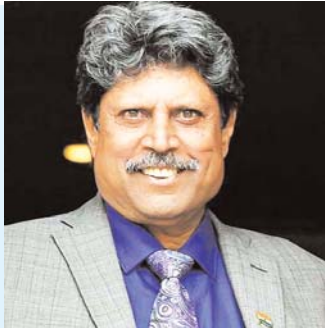


कपिल बोले वैभव को अभी से अगला सितारा नहीं कह सकते, कांबली का दिया उदाहरण

मुम्बई, एजेंसी। पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि वैभव सूर्यवंशी अभी 15 साल के ही हैं और ऐसे में उन्हें अगला सितारा कहना जल्दबाजी होगी।

कपिल ने वैभव की क्षमता को माना है पर साथ ही कहा है कि उन्हें अभी से सुपरस्टार कहना जल्दबाजी होगी। अपनी बात को मजबूती देने के लिए उन्होंने पूर्व भारतीय बल्लेबाज विनोद कांबली का उदाहरण भी दिया।

भारतीय टीम को पहला विश्वकप जीताने वाले इस पूर्व कप्तान के अनुसार वैभव सूर्यवंशी में आगे बढ़ने की पूरी क्षमता है पर कहा कि क्रिकेट के इतिहास में ऐसे कई प्रतिभाशाली



खिलाड़ी सामने आए हैं जिनका करियर उनकी शुरुआती उम्मीदों के अनुसार आगे नहीं बढ़ पाया। इसलिए, वैभव के लिए अभी से कोई बड़ी भविष्यवाणी करना सही नहीं नहीं है।

पूर्व कप्तान ने अपनी बात समझाते हुए कांबली का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कई ऐसे खिलाड़ी आए हैं, जिनमें काफी क्षमता थी पर बाद में वो उस मुकाम तक नहीं पहुंच सके जिसकी उम्मीद की गई थी। कांबली का उदाहरण इसी बात को समझाने के लिए दिया गया कि केवल शुरुआती प्रतिभा ही किसी लंबे और सफल करियर को गारंटी नहीं होता। एक खिलाड़ी को लगातार खुद को साबित करना होता है और हर चुनौती का सामना करना होता है।

कपिल देव ने वैभव की उम्र का भी खास तौर पर जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वैभव अभी सिर्फ 15 साल

के हैं और उन्हें अपने खेल व जीवन को समझने के लिए पर्याप्त समय देना चाहिए। कपिल के अनुसार, अगले करीब तीन साल में वैभव की जिंदगी और सोच दोनों में महत्वपूर्ण बदलाव आएंगे। इन बदलावों के बाद ही यह बेहतर तरीके से समझा जा सकेगा कि वह अपने करियर को किस दिशा में आगे ले जाते हैं।

कपिल के लिए मैदान पर प्रदर्शन से भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वैभव आने वाले समय में अपने जीवन और करियर को किस तरह संभालते हैं। उन्होंने जोर दिया कि सिर्फ मैदान पर प्रदर्शन देखना ही काफी नहीं है। खिलाड़ी की सोच,

उसकी लाइफस्टाइल और बदलती परिस्थितियों के बीच खुद को समायोजित करने की क्षमता भी उसके भविष्य को तय करने में बड़ी भूमिका निभाती है। एक खिलाड़ी को मैदान के बाहर भी उतना ही अनुशासित और फोकस्ड रहना पड़ता है जितना कि वह पिच पर रहता है।

फिलहाल, वैभव ने निश्चित रूप से अपनी प्रतिभा से क्रिकेट प्रेमियों के मन में उम्मीदें जगाई हैं। लेकिन कपिल देव की सलाह साफ है कि इस युवा खिलाड़ी पर अभी से दबाव बनाने या उसे सुपरस्टार का टैग देने के बजाय उसे बढ़ने और सीखने का पूरा मौका दिया जाना चाहिए।



ज्ञानेश कुमार पर चलाया जाए देशद्रोह का मुकदमा :डॉ सुशील गुप्ता

राजेंद्र सिंह जादौन
चण्डीगढ़। आम आदमी पार्टी हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने रानियां, ऐलनाबाद और सिरसा विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करने के बाद भाजपा सरकार की जनविरोधी, किसान विरोधी और लोकतंत्र विरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार हमला बोला।डॉ. सुशील गुप्ता ने सिरसा में प्रैस कांफ्रेंस को संबोधित किया और भाजपा सरकार को घेरते हुए मांग की किमुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर देशद्रोह का मुकदमा चलाया जाए। डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एस आई आर प्रक्रिया में भारतीय जनता पार्टी के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। अब तक पूरे देश में करीब 14 करोड़ लोगों के नाम वोट

लिस्ट से काटे जा चुके हैं। जहां भी चुनाव होते हैं, जानबूझकर असमंजस की स्थिति पैदा कर दी जाती है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली चुनाव के दौरान जिस खूबतरे से आगाह किया था, आज वह देश के सामने सच साबित हो रहा है। भाजपा जनता के वोटों से नहीं, बल्कि चुनाव आयोग, सीबीआई और ईडी के दुरुपयोग से चुनाव जीतने की घटिया राजनीति करती है। पहले दिल्ली, फिर पश्चिम बंगाल, हरियाणा और अब पंजाब में यही हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। हमारी मांग है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तुरंत देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कर उनका इस्तीफा लिया जाए।उधर हरियाणा के सभी 23 जिले नशे के दलदल में धंस

चुके हैं, जिनमें से 16 जिले गंभीर रूप से 'रेड जोन' में हैं। राज्य में चिट्ठा, अफीम, गांजा, हेरोइन और सिंथेटिक ड्रग्स का कारोबार पूरी तरह सरकारी संरक्षण में फल-फूल रहा है। हाल ही में नारनौल जैसी जगह पर पुलिसकर्मियों की सलिसता भी सामने आई है। सिरसा जिले में स्थिति इतनी भयावह है कि नशे के कारण हर रोज़ औसतन एक युवा अपनी जान गंवा रहा है। इसके बावजूद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राज्य की सुध लेने के बजाय पंजाब में रैलियां निकाल कर झूमा कर रहे हैं।हरियाणा में आज देश-दुनिया के कुख्यात गैंग सक्रिय हो चुके हैं। हर दिन सरेआम गोलीबारी और पिरोती की वारदातें आम बात हो गई हैं। शाम ढलते ही माताएं-बहनें सड़कों पर निकलने से

डरती हैं और खौफ के माहौल के कारण व्यापारी वर्ग अपना व्यापार दूसरे प्रदेशों में शिफ्ट (पलायन) करने को मजबूर है। आम नागरिक खुद को पूरी तरह असुरक्षित महसूस कर रहा है।रानियां, ऐलनाबाद और सिरसा में आंतरिक सड़कों की स्थिति जर्जर है-सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क, पता ही नहीं चलता। यह स्थिति भाजपा के भ्रष्टाचार का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसके अलावा, हरियाणा की मंडियों में अब तक लगभग 15 लाख मेट्रिक टन धान किसानों को 15-15 दिनों तक मंडियों में रखा जा रहा है। किसान मजबूरन 300 से 2400 प्रति क्विंटल के नुकसान पर अपनी फसल बेचने को विवश हैं।

मुख्यमंत्री केवल मीडिया में एमएसपी का ढिंढोरा पीट रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत में बिचौलिये और अधिकारी किसानों से अवैध वसूली कर रहे हैं। फसल बिक्री की पेमेंट के नाम पर केवल तारीखें मिल रही है। डीएपी खाद के लिए किसान भटक रहे हैं और प्रशासन कोरे टोकन बांट रहा है।गुप्ता ने कहा हर साल घग्गर नदी के उफान से हजारों एकड़ फसल तबाह हो जाती है। नदी की छंटाई (सफाई) के नाम पर हर साल जारी होने वाले सैकड़ों करोड़ रुपये भाजपा के शीर्ष नेताओं और रेत माफिया की जेब में चले जाते हैं। आम आदमी पार्टी की मांग है कि घग्गर नदी के अतिरिक्त पानी का उचित डिस्ट्रीब्यूशन नहरों के माध्यम से कर उसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों और किसानों के खेतों तक पहुंचाया जाए,

पंजाब के नियमित डीजीपी नियुक्त होने के बाद गौरव यादव मुख्यमंत्री भगवंत मान से मिले आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर हुई चर्चा

राजेंद्र सिंह जादौन
चंडीगढ़। पंजाब के कार्यवाहक डीजीपी के पद पर जुलाई 2022 से नियुक्त 1992बैच के आई पी एस गौरव यादव को दो वर्ष के लिए गृह विभाग ने नियमित डीजीपी पद पर नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया। राज्यपाल ने गौरव यादव को नियमित डीजीपी नियुक्ति के लिए मंजूरी दे दी।भगवंत मान सरकार ने संघ लोक सेवा आयोग को चौदह आई पी एस का पैनल डीजीपी नियुक्ति के लिए भेजा था। इनमें से तीन आई पी एस के नाम आयोग ने राज्य सरकार को भेजे थे। डॉ शरद सत्य चौहान और हरप्रीत सिद्धु के साथ तीसरा नाम गौरव यादव का था। भगवंत मान ने गौरव यादव के नाम पर मुहर लगाई। नियमित डीजीपी नियुक्त किए जाने का आदेश जारी करने के बाद डीजीपी गौरव यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को राज्य की आंतरिक सुरक्षा की स्थिति और कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। बैठक में पंजाब के मुख्य सचिव भी मौजूद रहे।बैठक के दौरान राज्य में शांति और सद्भाव बनाए रखने के साथ-साथ आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। डीजीपी ने मुख्यमंत्री को पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। बैठक में राज्य की मौजूदा सुरक्षा स्थिति और कानून-व्यवस्था से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।पंजाब पुलिस ने स्पष्ट किया कि राज्य में शांति, भाईचारा और सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखना उसकी प्राथमिकता है। पुलिस प्रशासन प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत रखने और लोगों के बीच सुरक्षा की भावना कायम करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है। पंजाब पुलिस ने सुरक्षित और नशामुक्त पंजाब के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पुलिस का कहना है कि प्रदेश में नशे की समस्या पर रोक लगाने, अपराधों पर नियंत्रण रखने और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन रोकने के बजाय सरकार सवालों के जवाब दे: हरियाणा कांग्रेस

- नेताओं ने गिरफ्तारी और हिरासत पर दर्ज कराया कड़ा प्रतिरोध

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
चंडीगढ़।कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी संजय दत्त और प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने आंदोलन की गंभीरता को देखते हुए लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा के लिए कांग्रेस की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन को रोकने के बजाय सरकार को उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना चाहिए।हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि कांग्रेस का 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान केवल किसी राजनीतिक दल का आंदोलन नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र, संविधान और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा की लड़ाई है। जब विपक्ष जनता के अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े गंभीर सवाल उठा रहा है, तब सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उन सवालों का जवाब दे। शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। संजय दत्त ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज को दबाने के बजाय उसे सुना जाना चाहिए। शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है और किसी भी सरकार को असहमति के स्वर से घबराना नहीं चाहिए। कांग्रेस का उद्देश्य देश के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार को सुरक्षित रखना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगी दल एकजुट होकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 10 अक्टूबर को हरियाणा से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचकर आंदोलनरत कांग्रेस और सहयोगी दलों के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को अपना समर्थन देंगे। हरियाणा के

कांग्रेस कार्यकर्ताओं में इस अभियान को लेकर भारी उत्साह है। सरकार चाहे जितनी भी बाधाएं खड़ी कर ले, कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी।हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी ने प्रदेश के सभी जिला अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों और फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारियों से भी रूबरू होकर आंदोलन की आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन में भागीदारी के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया और संगठनात्मक स्तर पर आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रदेशभर में कांग्रेस संगठन पूरी सक्रियता और एकजुटता के साथ कार्य कर रहा है।

हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह* ने कहा कि शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है। जब कांग्रेस शांतिपूर्वक अपना विरोध दर्ज कराने की बात कह रही है, तो उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं को रोकने तथा हिरासत में लिए जाने की शिकायतें क्यों सामने आ रही हैं? सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि शांतिपूर्ण विरोध कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है।

राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों सहित कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को नजरबंद किए जाने तथा कुछ नेताओं को हिरासत में लिए जाने की सूचनाएं मिली हैं। यह स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। लोकतंत्र में विपक्ष को अपनी बात रखने और सरकार की नीतियों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। किसी भी नागरिक या राजनीतिक कार्यकर्ता को अनुचित रूप से अपनी बात रखने के अधिकार से

वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से बातचीत कर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने की बात कह रही है, तो उसके कार्यकर्ताओं को रोकने या हिरासत में लेने का औचित्य स्पष्ट किया जाना चाहिए। लोकतंत्र में असहमति की आवाज सुनना सरकार की जिम्मेदारी है, न कि उसे पुलिस कार्रवाई के जरिए दबाने का प्रयास करना।राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट हैं। 10 अक्टूबर को हरियाणा के सभी जिलों से कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचेंगे और 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान को मजबूती देंगे। यह संघर्ष किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान और जनता के अधिकारों की रक्षा से जुड़ा है। कांग्रेस कार्यकर्ता शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे।

हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के लिए शुरू किया गया यह संघर्ष किसी भी दबाव या बाधा से थमने वाला नहीं है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से जनता के अधिकारों की आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरी एकजुटता, अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और लोकतंत्र की रक्षा के इस संघर्ष को व्यापक जन आंदोलन बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।

आवश्यकता है

वाराणसी, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'लोक हस्तक्षेप' के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की ।



विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी व फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं ।



सम्पूर्ण विवरण सहित आवेदन करें ।



lokhastakshepcorp@gmail.com



WhatsApp : 9839666352

लोक हस्तक्षेप

The power of truth

वाराणसी | लखनऊ | नई दिल्ली



21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली

